वर्ष : 16 ❖ अंक : 92 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 09 नवम्बर 2021

पहले अगस्ता भ्रष्ट था, अब बीजेपी की लॉन्ड्री में धुल गया : राहुल गांधी 3

रॉय चोट के कारण बाहर, विंस लेंगे उनकी जगह 8

कृषि को पेशे के रूप में अपनाएं युवा : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 नवम्बर। सिक्किम सरकार के कृषि और पशुपालन विभाग ने सोमवार को तुमिन लिंगी निर्वाचन क्षेत्र के लोअर समदोंग निर्वाचन क्षेत्र में कुल 172 लाभार्थियों को लगभग दो करोड़ रुपये की विभिन्न रियायतें वितरित कीं। कृषि, उद्यान एवं पशुपालन विभाग द्वारा विकास योजना के हितग्राहियों को विभिन्न रियायतें, चेक एवं अन्य कृषि उपकरणों के टोकन वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि, उद्यान एवं पशुपालन मंत्री लोकनाथ शर्मा मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री लोकनाथ शर्मा ने कहा कि एसकेएम सरकार किसानोन्मुखी सरकार है और सरकार ने कृषि और पशुपालन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि कृषि और पशुपालन सरकारी नौकरियों और अन्य छोटे व्यवसायों की तुलना में स्वतंत्र और आकर्षक व्यवसाय हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र को पेशेवर रूप से आगे ले जाना आवश्यक है।

मंत्री ने बताया कि सरकार ने राज्य में कृषि को व्यवसाय के नए माध्यम के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से 12 विभिन्न फसलों, दूध और सूअर पालन में प्रोत्साहन राशि देने की शुरुआत की है। उन्होंने सभी वाणिज्यिक किसानों से अपने पशुओं और फलों का बीमा कराने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर मंत्री शर्मा ने डेयरी क्षेत्र के विकास, मत्स्य पालन योजना, सूअर पालन आदि से होने वाले लाभों की जानकारी दी।

कृषि मंत्री लेकनाथ शर्मा ने तुमिन लिंगी निर्वाचन क्षेत्र के सालेबुंग और सिंगबेल में पीएमकेएसवाई क्लस्टर योजना शुरू करने की भी घोषणा की। इसी प्रकार अपर लिंगमो एवं तुमिन

बरंग में 30 हजार लीटर पानी की टंकियों का निर्माण, टिंटेक पेपलाखा में पशु औषधालय का निर्माण और यहां से उत्पादन बढ़ाने के लिए माखा में मत्स्य विभाग के टैंकों का पुनरोद्धार किया जाएगा।

अपने संबोधन में निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी संदुप भूटिया ने तुमिन लिंगी निर्वाचन क्षेत्र में जन जागरुकता एवं राहत वितरण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभाग का धन्यवाद किया और क्षेत्र के किसानों से सरकार एवं विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में कई प्रगतिशील किसान हैं। उन्होंने मांग की कि यदि संभव हो तो विभाग द्वारा यहां एक अतिरिक्त एफपीओ का गठन किया जाए।

कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के सचिव डॉ. सांगे भूटिया ने विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार दूध पर प्रति लीटर आठ रुपये की प्रोत्साहन राशि का वितरण शुरू करने के बाद दुग्ध उत्पादन 32 हजार लीटर से 55 हजार लीटर हो गया है। अब राज्य बाहर से दूध लाने की बाध्यता समाप्त हो गई है। कार्यक्रम में एसबीआई के प्रतिनिधियों के साथ-साथ कृषि एवं बागवानी विभाग के अधिकारियों ने भी अपने विचार रखे।

तरुणदीप राई को मिला पद्श्री सम्मान

सीएम गोले ने दी बधाई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 नवम्बर। भारत के अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप राई को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। तीरंदाजी में उल्लेखनीय योगदान के लिए उनको उक्त पुरस्कार प्रदान किया गया। तरुणदीप राई को आज नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया।

राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग ने भी सिक्किमी नागरिकों की तरफ से इस उपलब्धि के लिए तरुणदीप राई को बधाई दी है। उन्होंने अपने बधाई संदेश में लिखा है कि तरुणदीप राई ने अपने प्रयास से सिक्किम के भावी विश्वस्तरीय तीरंदाजों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर लिखा कि तरुणदीप राई ने विगत दो दशक से निरंतर विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय स्तर की

प्रतियोगिताओं में देश के लिए पुरस्कार जीता है। मुख्यमंत्री ने लिखा है कि साल 2003 में तीरंदाजी में उनके योगदान के लिए उनको अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

मंत्री लोकनाथ शर्मा ने किया कार्प फिश फार्म का निरीक्षण

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 नवम्बर। राज्य के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के मंत्री लोकनाथ शर्मा, भूमि उपयोग तथा पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष छिरिंग लेख्रचा, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के सचिव सांगे डी भूटिया और विभागीय अधिकारियों ने आज पूर्व जिले के माखा, टूमटार स्थित कार्प फिश फार्म का निरीक्षण किया।

उल्लेखनीय है कि यह फिश फार्म एनएचपीसी के द्वारा वित्तपोषित है। यह फार्म 2012 में स्थापित किया गया है। मरम्मत की आवश्यकता के कारण यह फार्म अभी बंद है। निरीक्षण के दौरान मंत्री शर्मा ने एनएचपीसी के पर्यावरण प्रभाग के वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. एके झा से इस फॉर्म को मरम्मत कर चालू करने का आग्रह किया।

मंत्री शर्मा ने कहा कि मत्स्यपालन को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर किसानों को लाभान्वित करने के लिए राज्य सरकार अग्रसर होकर काम कर रही है। उन्होंने एनएचपीसी को इस योजना में सरकार के साथ हाथ बंटाने की अपील करते हुए मरम्मत कार्य जनवरी 2022 तक पूरा करने की अपील की। उन्होंने एनएचपीसी के द्वारा किए गए सहयोग प्रति भी आभार व्यक्त किया।

सड़क निर्माण को लेकर बैठक आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 नवम्बर। तादोंग पांच माईल स्थित सरस्वती मंदिर से आईसीएआर कार्यालय तादोंग, डांड़ा गांव को जोड़ने वाली सड़क मार्ग को लेकर आज एक बैठक आयोजित की गई।

पूर्व जिला के जिलाधिकारी कार्यालय में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग (गोले) के निर्देश पर आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त राजनीतिक सचिव (पूर्व) छिरिंग वांग्चुक लेप्चा और जिलाधिकारी रगुल के उपस्थित थे। सभा का उद्देश्य सरस्वती मंदिर से तादोंग तक 1.7 किलोमीटर सड़क मार्ग का निर्माण करना था।

सभा में जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण को लेकर स्थानीय सभी हितधारक और संबंधित विभाग के साथ चर्चा करने आश्वासन दिया। जानकारी के मुताबिक यह सड़क निर्माण कार्य स्थानीय लोगों की लंबित मांग है, जो लंबे समय से साकार नहीं हुई है। बताया गया है कि वर्तमान सरकार आने के बाद क्षेत्र विधायक की सक्रिय सहभागिता से सड़क निर्माण कार्य पूरा होने की उम्मीद बंधी है।

राज्यपाल ने वरिष्ठ प्रचारक ओम प्रकाश गर्ग के निधन पर जताया शोक

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 नवम्बर। सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ट प्रचारक एवं समाजसेवी ओम प्रकाश गर्ग के निधन पर गहरी संवेदना प्रकट की है।

राज्यपाल ने रविवार को जारी एक शोक संदेश में कहा है कि कर्मश्रेष्ठ ओम प्रकास गर्ग का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। कर्म की प्रधानता और पूर्ण तन्मयता के साथ राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित भाव ही उनकी पहचान थी। उनकी वाणी में ओजस्विता और आशावादिता थी। जीवन भर स्वयंसेवक की चिंता करने वाले महामानव का इस धरती को छोड़कर जाना निश्चित रूप से बड़ी क्षति है।

उन्होंने आगे कहा कि कार्यकर्ता के प्रेरणास्रोत तथा सदा राष्ट्र विकास की चिंता से उनको सामान्य से असाधारण व्यक्तित्व की ओर रेखांकित करता है। सम्पूर्ण शरीर दधीचि देहदान को समर्पित करने की उनकी घोषणा भी उनकी जनकल्याण की भावना को दर्शाता है। राज्यपाल ने उल्लेख किया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक एवं जनसंघ के कार्य को बिहार में स्थापित कर उन्होंने सराहनीय योगदान दिया है। नेपाल में भी संघ के कार्यों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने में उनकी भूमिका अकल्पनीय है। 1947 के आंदोलन में सक्रिय रहकर आंदोलन संबंधित कार्यों को गतिशीलता देते हुए अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा किया।

राज्यपाल प्रसाद ने उनके साथ पारिवारिक संबंध होने की बात का भी उल्लेख किया है। उन्होंने उनके निधन को व्यक्तिगत क्षति बताई है। राज्यपाल गंगा प्रसाद ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना की है।

गोवा में केजरीवाल ने लगाई वादों की झड़ी

नई दिल्ली, 08 नवम्बर (एजेन्सी)। गोवा में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने राज्य में अपनी जड़ें जमानी शुरू कर दी हैं। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज गोवा में भी दिल्ली की तर्ज पर फ्री बिजली, अच्छे स्कूल और मोहल्ला क्लीनिक से लेकर बेरोजगारी भत्ता देने तक जैसे अनेक वादे किए।

दो दिवसीय दौरे पर गोवा पहुंचे केजरीवाल ने कहा कि गोवा के अंदर हमारी सरकार बनेगी तो हम सबको बिजली फ्री देंगे। हमने यह सब दिल्ली में करके दिखाया है अब गोवा के अंदर भी हर गांव के अंदर एक-एक स्कूल खुलवाएंगे। दिल्ली में हमने मोहल्ला क्लीनिक खोला है, गोवा के अंदर भी हर गांव के अंदर एक क्लीनिक खोलेंगे। हम रोजगार देंगे, रोजगार देने में समय लगेगा, लेकिन जब तक रोजगार नहीं देते तब तक हर महीने 3000 रुपये बेरोजगारी भत्ता देंगे।

उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली के सरकारी स्कूलों की स्थिति में इतना सुधार किया है कि अब निजी स्कूलों के छात्र भी वहां जाते हैं। हम गोवा के हर गांव में भी ऐसे ही स्कूल बनाएंगे

केजरीवाल ने रविवार को कहा था कि गोवा में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में आम आदमी पार्टी (आप)

फ्री बिजली, अच्छे स्कूल और मोहल्ला क्लीनिक से लेकर बेरोजगारी भत्ते जैसे अनेक वादे

की सरकार बनते ही छह माह के अंदर खनन का काम दोबारा शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि आज आम आदमी पार्टी देश में एकमात्र ईमानदार पार्टी है, इसलिए लोग 'आप' से जुड़ हो रहे हैं। गोवा में भ्रष्टाचार सबसे बड़ी समस्या है। आप जिसे मतदान करते हैं, वह चुनाव के बाद अपना पक्ष बदल लेते हैं। गोवा में सिर्फ 'आप' ही ईमानदार सरकार दे सकती है। इस दौरान गोवा माइनिंग पीपुल्स फ्रंट (जीएमपीएफ) के नेता पुति गांवकर केजरीवाल की मौजूदगी में आप में शामिल हुए। गांवकर का 'आप' में स्वागत करते हुए केजरीवाल ने कहा कि गांवकर 'आप' में शामिल होने पर मैं उनका स्वागत करता हूं। मुझे खुशी है कि उनके जैसा नेता 'आप' में शामिल हुए हैं। इससे पार्टी मजबूत होगी। खनन पर आधारित लोगों और गरीबों के साथ अन्याय हो रहा है।

गौरतलब है कि गोवा में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी की तैयारियों का जायजा लेने अरविंद केजरीवाल रविवार को गोवा के दौरे पर पहुंचे हैं। इससे पहले वह एक नवंबर को गोवा के दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने राज्य की जनता से सत्ता में आने पर मुफ्त तीर्थ यात्रा करने का वादा किया था।

बता दें कि 2022 में होने वाले गोवा विधानसभा चुनाव से पहले यह आम आदमी पार्टी का एक बड़ा कदम माना जा रहा है। गोवा में जड़ें जमाने के लिए 2017 में पहली बार विधानसभा चुनाव में उतरी 'आप' को 57,420 अर्थात 6.27 प्रतिशत वोट मिले थे, हालांकि सीट एक भी नहीं मिल सकी थी। गोवा में विधानसभा की 40 सीटें हैं।

सिक्किम गरीब आवास योजना के लाभार्थी को मंत्री ने सौंपी घर की चाबी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 नवम्बर। राज्य के कृषि एवं बागवानी तथा पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के मंत्री लोकनाथ शर्मा ने आज तुमिन लिंगी निर्वाचन क्षेत्र के डिक्चू, जांग में सिक्किम गरीब आवास योजना (एसडीएवी) के तहत निर्मित घर का उद्घाटन किया।

मंत्री शर्मा ने एसजीएवी अंतर्गत घर प्राप्त करने वाले लाभार्थी पद्म बहादुर छेत्री और उनके परिवार को बधाई दी। इस योजना के तहत निर्मित घर में एक सिटिंग रूम, दो शयनकक्ष, एक किचन (रसोई), एक शौचालय और घर में प्रयोग किए जाने वाले सभी प्रकार की आवश्यक सामग्रियां लाभार्थियों को दी जाती है। राज्य सरकार ने यह घर 17 लाख 51 हजार रुपये की लागत में निर्माण किया है, जिसमें फर्नीचर भी दिया जाता है।

इस अवसर पर मंत्री शर्मा के साथ में क्षेत्र के प्रभारी सांडुप टी भूटिया, बीडीओ छिरिंग एन थिंग, विभागीय अधिकारी आदि उपस्थित थे। लाभार्थी छेत्री ने इस घर के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

एचसी ने अंतरधार्मिक जोड़े की याचिका पर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 08 नवम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत विवाह को पंजीकृत करने के लिए 30 दिनों के अग्रिम सार्वजनिक नोटिस की व्यवस्था को रद्द करने की याचिका पर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा।

यह देखते हुए कि मामले में दिल्ली सरकार के लिए कोई वकील पेश नहीं हुआ है, मुख्य न्यायाधीश डी.एन. पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने 24 दिसंबर को आगे की सुनवाई के लिए याचिका को सूचीबद्ध करके सरकार को एक और मौका दिया है।

एक अंतरधार्मिक दंपति द्वारा दायर याचिका के अनुसार 30 दिनों के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी करने की प्रक्रिया विशेष विवाह अधिनियम के तहत अंतर-धार्मिक विवाह के पंजीकरण पर आपत्तियां आमंत्रित कर रही हैं।

अधिवक्ता उत्कर्ष सिंह, मोहम्मद तौहीद और मोहम्मद हमैद के माध्यम से दायर की गई याचिका में विवादित प्रक्रिया को रद्द करने

की मांग करते हुए याचिकाकर्ताओं के विवाह को तत्काल प्रभाव से पंजीकृत करने के लिए संबंधित अधिकारियों से निर्देश मांगा गया।

याचिका में विशेष विवाह अधिनियम की धारा 6 और 7 को अवैध, शून्य और असंवैधानिक घोषित करने की भी मांग की गई है।

इसने प्रतिवादियों से सरकारी अस्पतालों या याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी अन्य निर्धारित प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए उपक्रम और प्रमाणपत्र के आधार पर आपत्तियों का फैसला करने का निर्देश भी मांगा है।

याचिकाकर्ताओं ने कहा कि वे विशेष विवाह अधिनियम की धारा 6 और 7 के तहत विवाहों के पंजीकरण के लिए आवेदन करने की आक्षेपित प्रक्रिया से सीधे तौर पर प्रभावित और व्यथित हैं। विवाह के लिए धारा 4 के तहत उल्लिखित आपत्तियां आमंत्रित करते हुए सार्वजनिक नोटिस जारी किया जाता है।

याचिकाकर्ता ने दलील दी कि धारा 4 (ए) के तहत आपत्ति अंतरधार्मिक विवाहों के खिलाफ लगाया जा रहा अनुमान और पूर्वाग्रह पर आधारित है और समान शर्त (किसी भी पार्टी का कोई जीवित पति नहीं है) अन्य धार्मिक विवाहों में भी अच्छी तरह से उत्पन्न हो सकता है, लेकिन उन्हें छूट दी गई है। अगले 30 दिनों की नोटिस अवधि में याचिकाकर्ताओं को उनके जीवन और स्वतंत्रता से वंचित रहना होगा।

सुबह फैन्स ने तोड़े 108 नारियल, रात में हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होकर लौटे रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत को माइनर सर्जरी के बाद हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई है। इस खबर की पुष्टि खुद रजनीकांत ने एक पोस्ट के जरिए की। जिसमें

उन्होंने घर के बाहर अपनी फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- घर वापसी। गौरतलब है कि रजनी को गुरुवार को चक्कर आने के बाद हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। हमेशा की तरह पत्नी लता ने रजनीकांत का स्वागत आरती उतार कर किया। इसके पहले उनके फैन्स ने तमिलनाडु के मदुरै जिले के थिरुपंक्येंद्रम मुरुगन मंदिर में रजनीकांत के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना से एक खास पूजा की थी। प्रशंसकों ने 108 नारियल तोड़कर और मन सोरू (फर्श पर रखकर खाना) रस्म निभाकर विशेष पूजा की। इस पूजा में उनकी आगामी फिल्म अन्नात्थे की सफलता के लिए भी प्रार्थना शामिल थी। रजनीकांत के प्रशंसक कुमारवेल ने एक इंटरव्यू में बताया, हमें पता चला कि दो दिन पहले हमारे सुपरस्टार थलाइवा को उनकी बीमारी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने और फिल्म की सफलता के लिए सामूहिक प्रार्थना कर रहे हैं। इसके पहले साल 2018 में भी उनकी फिल्म 2.0 की सफलता के लिए फैन्स ने मन सोरू की रस्म की थी। इसके अलावा 2020 में भी रजनीकांत की फिल्म दरबार की रिलीज के दौरान भी यह रस्म निभाई गई थी। इस खास रस्म के दौरान चावल और बाकी खाना, बिना किसी प्लेट में रखे जमीन पर ही परोसा जाता है। इसके बाद रस्म के लिए संकल्प लेने वाला व्यक्ति वही खाना खाता है।

दिसंबर में बॉयफ्रेंड विक्की जैन से शादी करने जा रही हैं अंकिता लोखंडे

एक लंबे इंतजार के बाद पवित्र रिश्ता एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे जल्द ही अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड विक्की जैन से शादी करने जा रही हैं। ये शादी दिसंबर के दूसरे हफ्ते में होगी, हालांकि इसके लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है। अब कपल ने शादी की तैयारियां शुरू करते हुए अपने करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों को भी न्यौता भेजना शुरू कर दिया है। हाल ही में आई ई-टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार अंकिता लोखंडे और

विक्की जैन बॉलीवुड ट्रेंड फॉलो ना करते हुए डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं करेंगे। खबर की मानें तो कपल मुंबई में ही एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी करेंगे। इस सेरेमनी के लिए शहर का ही कोई 5-स्टार होटल तलाशा जा रहा है। खबरों की मानें तो अंकिता-विक्की, दिसंबर की 12, 13, 14 में से किसी तारीख में सात फेरे लेने वाले हैं। फिलहाल किसी तारीख पर पक्की मुहर नहीं लगी है।

रोहित शेट्टी की कॉप बेस्ड वेब सीरीज में नजर आएंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

फिल्ममेकर रोहित शेट्टी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सूर्यवंशी को लेकर चर्चा में हैं। इस कॉप ड्रामा फिल्म में अक्षय कुमार, कटरीना कैफ, अजय देवगन और रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म को दिवाली पर रिलीज किया जाएगा। इस बीच अब खबर आ रही है कि डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने अब अपनी अपकमिंग कॉप बेस्ड वेब सीरीज के लिए कमर कस ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इस सीरीज को बनाने जा रहे हैं। इस सीरीज का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। सूत्र ने बताया, सिड और रोहित पिछले कुछ समय से एक इस वेब सीरीज को लेकर चर्चा कर रहे थे। ये सीरीज अगले साल से शुरू की जाएगी और इसका निर्देशन सुशांत प्रकाश द्वारा किया जाएगा।

अर्जुन कपूर की द लेडी किलर में नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अर्जुन कपूर इन दिनों फिल्ममेकर अजय बहल की फिल्म द लेडी किलर को लेकर चर्चा में हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस फिल्म में भूमि पेडनेकर भी शामिल हो गई हैं। वह फिल्म में फीमेल लीड किरदार निभाएंगी। एक सूत्र ने कहा, मेकर्स भूमि को फिल्म में शामिल करने के लिए बेहद उत्सुक थे और अभिनेत्री को भी स्क्रिप्ट पसंद आई है। फिलहाल कागजी कार्रवाई और अन्य औपचारिकताएं चल रही हैं। इसी बीच बहल ने फिल्म के प्री-प्रोडक्शन पर काम शुरू कर दिया है। इस फिल्म का निर्देशन अजय बहल ही कर रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

अमृता राव ने बेटे की पहली सालगिरह पर उन्हें दिया अनोखा गिफ्ट

एक्ट्रेस अमृता राव और आरजे अनमोल का बेटा वीर 1 साल का हो गया है। दोनों ने पिछले साल 1 नवंबर 2020 को अपने माता-पिता बनने की जानकारी सोशल मीडिया पर देकर खुशी जाहिर की थी। करीबी सूत्रों से मिली जानकारी से यह पता चला है कि, वीर का पहला जन्मदिन सादगी के साथ करीबी रिश्तेदारों की मौजूदगी में घर पर ही मनाया जाएगा, क्योंकि अभी तक हमने पूरी तरह से कोरोना को मात नहीं दी है, अभी भी लड़ाई जारी है। वहीं अमृता और अनमोल वीर को एक स्पेशल गिफ्ट देने वाले हैं। अगर आप सोच रहे हैं कि, कोई महंगे खिलौने या कपड़े होंगे तो बिलकुल ही गलत है। दरअसल, वीर के और से अमृता-अनमोल तारा गांव के युसूफ मेहरली सेंटर में स्पेशली वरिष्ठ नागरिकों और आदिवासी बच्चों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन में योगदान देंगे।

रणबीर -आलिया इस साल दिसंबर में नहीं बल्कि 2022 में लेंगे सात फेरे

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को लेकर हाल ही में खबर सामने आई थी कि दोनों दिसंबर में शादी कर सकते हैं। लेकिन, अब खबर आ रही है कि रणबीर और आलिया 2021 में शादी नहीं करेंगे। बल्कि दोनों की शादी अब 2022 में ही होगी। रणबीर-आलिया के एक नजदीकी सूत्र ने बताया है कि दोनों शादी तो करना चाहते हैं, मगर यह इस साल शायद नहीं हो पाएगी। सूत्र ने बताया, आलिया और रणबीर के पास अपनी शादी

के शानदार प्लान हैं और इसलिए वह इसमें जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं। वे अपनी शादी की प्लानिंग लंबे समय से कर रहे हैं। हालांकि, इस सूत्र ने यह कन्फर्म नहीं किया है कि शादी कब होनी है। लेकिन, इतना कहा है कि यह 2021 नहीं बल्कि 2022 में ही होने वाली है। इसलिए अब ऐसा सोचना बंद कर देना चाहिए कि रणबीर और आलिया इस साल दिसंबर में शादी करने जा रहे हैं। वैसे इससे पहले रणबीर के अंकल रणधीर कपूर भी साफ कर चुके हैं कि अभी तक उन्हें तो अपने भतीजे की शादी की कोई खबर नहीं है। बता दें कि आलिया भट्ट ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी एक फोटो शेयर की थी। इस फोटो से बहुत सारी अटकलें लगाई जा रही हैं। दरअसल, आलिया ने जो फोटो शेयर की है, उसमें उनके हाथ में रणबीर के लकी नंबर-8 की एक रिंग दिखाई दे रही है। आलिया की एक दूसरी मिरर सेल्फी में भी उनके हाथ में यह रिंग नजर आ रही है।

खेल जगत

सोढ़ी ने सैंटनर को दिया जीत का श्रेय

दुबई, 1 नवम्बर। बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सैंटनर ने टी-20 वर्ल्ड कप मैच में न्यूजीलैंड की भारत के खिलाफ जीत में भले ही विकेट हासिल नहीं किया, लेकिन उनके साथी ईश सोढ़ी का मानना है कि उनकी कसी हुई गेंदबाजी से विरोधी टीम के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में मदद मिली। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया और उसे 110 रन पर आउट कर दिया। न्यूजीलैंड ने इस अपेक्षाकृत छोटे लक्ष्य को 14.3 ओवर में हासिल कर दिया। लुधियाना में जन्मे सोढ़ी ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के कीमती विकेट लिए। उन्होंने कहा कि बीच के ओवरों में सैंटनर के स्पैल से अन्य गेंदबाजों को मदद मिली। सोढ़ी ने मैच के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, जिस तरह से उसने (सैंटनर) आज गेंदबाजी की, उससे उन्होंने बीच के ओवरों में दबाव बनाया। हम सभी गेंदबाजों ने उस दबाव का फायदा उठाया और उसके योगदान को निश्चित तौर पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इस लेग स्पिनर ने पाकिस्तान से पहले मैच में हार के बाद भारत के खिलाफ आठ विकेट की जीत को विशेष बताया। सोढ़ी को उम्मीद नहीं थी कि न्यूजीलैंड को इतनी आसान जीत मिलेगी। उन्होंने कहा, आप इस तरह के मैचों में ऐसी टीम के खिलाफ उतरते हो, जिसके पास वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हों जैसे कि भारत के पास हैं और पिछले कुछ सालों में उनका हमारे खिलाफ शानदार रिकॉर्ड रहा है। वह किसी भी तरह की परिस्थिति में बेहद कड़ा प्रतिद्वंद्वी है और इसलिए यह जीत विशेष है।

जल्द होगी बांग्लादेश के धांसू खिलाड़ी तमीम इकबाल की वापसी

ढाका, 1 नवम्बर। बांग्लादेश के अनुभवी सलामी बैटर तमीम इकबाल का पाकिस्तान के खिलाफ आगामी 19 नवंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज से बाहर होना तय है, क्योंकि वे टी-20 सीरीज के बाद पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए खुद को तैयार करने के लिए 14 नवंबर से शुरू होने वाले देश के पारंपरिक फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट नेशनल क्रिकेट लीग के पांचवें दौर के साथ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने की तैयारी कर रहे हैं।

कोहली के हार पर दिए बयान से नाराज हुए कपिल देव, उठा दिए काबिलियत पर सवाल

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। भारतीय टीम की हार सिर्फ से फैंस ही नहीं देश के दिग्गज भी काफी निराश हैं। टी20 वर्ल्ड कप में रविवार को न्यूजीलैंड ने अहम मुकाबले में भारत को 8 विकेट से मात दी। इस हार के साथ ही भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई। भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि इस मैच में टीम जिस बॉडी लैंग्वेज के साथ खेली उससे वह प्रभावित नहीं है। उन्होंने विराट कोहली के बयान को लेकर भी सवाल उठाए।

कोहली ने लगातार दूसरी हार के बाद कहा, 'यह बहुत अजीब है। मुझे नहीं लगता कि हम बल्ले या गेंद से अपने खेल में साहस दिखा पाये। हमने रन ज्यादा नहीं बनाये लेकिन उसे बचाने के लिये भी साहस के साथ नहीं उतरे।' कपिल ने कहा, 'उनके जैसे बड़े खिलाड़ी की ओर से यह दिया गया बयान काफी कमजोर है।

अगर इस तरह की बॉडी लैंग्वेज वाली टीम और इस तरह की सोच वाला कप्तान होगा तो किसी भी टीम के लिये वापसी करना नामुमकिन है। मुझे उनके शब्द सुनकर थोड़ी हैरानी हुई। वह इस तरह के खिलाड़ी नहीं हैं।'

कपिल देव ने कहा कि टॉस के बाद ऐसा लग रहा था कि पूरी टीम तभी जीत के बारे में सोचना छोड़ दिया है। मैच के बाद विराट कोहली ने जिस तरह का बयान दिया वह किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा, 'वह एक फाइटर हैं, मुझे लगता है कि वह उस समय खोये हुए थे या हो सकता है कि यह हार का असर था।

एक कप्तान को कभी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये कि हम बहादुरी से नहीं खेले। आप देश के लिये खेल रहे हैं और उनमें जुनून है लेकिन जब आप ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करेंगे तो आप पर उंगली उठेगी ही।'

उन्होंने कहा, 'मेरे पास शब्द नहीं है। एक टीम जो अभी आईपीएल खेलकर आ रही है, पिचों पर अभ्यास करने के बावजूद इस तरह का प्रदर्शन करे तो वहां पर आलोचना तो होगी ही। जब आप जीत हासिल करते हैं तो आपकी जितनी तारीफ की जाये कम ही लगती है, ठीक वैसे ही जिस तरह का क्रिकेट भारत ने खेला उनकी जितनी आलोचना की जाये कम है। आप लड़ते हैं और हारते हैं तो समझ आता है लेकिन आज के मैच में एक खिलाड़ी से ऐसा प्रदर्शन नहीं आया जिसे लेकर हम खुश हो सकें।'

गंभीर ने कहा- विराट मानसिक तौर पर मजबूत नहीं, गावस्कर-शोएब बोले- रोहित का बैंटिग ऑर्डर नहीं बदलना था

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरा मैच बुरी तरह से हार गई। पाकिस्तान के खिलाफ 10 विकेट से शिकस्त के बाद न्यूजीलैंड ने भी टीम इंडिया को 8 विकेट से हरा दिया। इन दो हार के बाद कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी टीम मैनेजमेंट और कप्तान विराट कोहली पर भड़क गए हैं। गौतम गंभीर ने तो यहां तक कह दिया कि विराट मानसिक तौर पर मजबूत नहीं हैं। वहीं, सुनील गावस्कर और शोएब अख्तर ने रोहित के बैंटिग ऑर्डर को लेकर सवाल उठाए।

गंभीर ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से बात करते हुए कहा, ऐसा नहीं है कि कोहली दबाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते पर मैं यह जरूर कहूंगा कि अब वह जरूरी मैच में प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वह अहम मैचों में बड़ा स्कोर नहीं बना पाते शायद वह मानसिक तौर पर उतने मजबूत नहीं हैं। टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने एक कायक्रम में कहा, रोहित शर्मा

शानदार सलामी बल्लेबाज हैं और उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में तीसरे नंबर पर भेजा गया। कोहली ने खुद नंबर 3 पर कितने रन बनाए हैं, लेकिन वे चौथे नंबर पर बैटिंग करने गए। ईशान किशन जैसे युवा खिलाड़ी से पारी की शुरुआत की गई। ईशान एक हिट-या-मिस खिलाड़ी हैं। ऐसे बल्लेबाज को नंबर 4 या 5 पर बैटिंग करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, टीम ने बताया कि रोहित शर्मा पर हमें भरोसा नहीं है। आप ट्रेंट बोल्ट को खेल नहीं सकते हैं। अगर आप अपने सलामी बल्लेबाज को, जो कई साल से इस पोजिशन पर खेल रहा है, ऐसे संदेश देते हैं तो वह भी अपनी क्षमता पर संदेह करने लगता है। अगर ईशान किशन 70 रन बना देते तो आप उसकी तारीफ करते पर जब यह दांव नहीं चला तो आपको आलोचना का सामना करना पड़ेगा।

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने ईशान किशन से पारी की शुरुआत करवाने के फैसले पर आश्चर्य जताया। उनके अनुसार रोहित शर्मा से पारी की शुरुआत करवानी चाहिए थी। अख्तर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मैच तो आपने देख ही लिया। भारत की शामत तो आनी ही थी और वो आ चुकी है। वो हार चुके हैं। उन्होंने बहुत बुरी तरह से खेला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को देखकर नहीं लगता कि हिंदुस्तान मैच खेलने आया भी था। ऐसा लगा कि बस न्यूजीलैंड मैच खेलने आई थी।

भारत की हार से आहत सहवाग ने कहा- टीम जरूर बदली, लेकिन उसकी किस्मत नहीं

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2021 में सुपर 12 के ग्रुप 2 में लगातार दो हार झेलने के बाद टीम इंडिया अब मझधार में फंसती दिखाई दे रही है। रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में न्यूजीलैंड के हाथों भारत की आठ विकेट की हार के बाद टीम की प्लेइंग इलेवन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी न्यूजीलैंड के खिलाफ प्लेइंग इलेवन को लेकर टीम मैनेजमेंट पर निशाना साधा है। भारतीय टीम कीवी टीम के खिलाफ अपने अहम मुकाबले में दो बदलाव के साथ उतरी थी और इसके बाद भी उसे करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस हार से टीम के लिए सेमीफाइनल की राह काफी मुश्किल हो गई है।

सहवाग ने फेसबुक पर बातचीत के दौरान कहा कि विराट कोहली की टॉस हारने की आदत ने भारतीय क्रिकेट टीम की संभावनाओं को प्रभाव डाला है। कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ टॉस हार गए और टीम को मजबूरी में बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा। सहवाग ने आगे कहा कि भले ही कोहली ने प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव किए, लेकिन टीम की किस्मत नहीं बदली। उन्होंने कहा, हर टॉस की शुरुआत में 50-50 की संभावना होती है, लेकिन कोहली के टॉस जीतने की संभावना निराशाजनक है। भारतीय टीम में 2 बदलाव हुए लेकिन भारत की किस्मत में कोई बदलाव नहीं हुआ।

पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज ने आगे कहा कि वह इस हार से इसलिए ज्यादा आहत हैं क्योंकि टीम ने बिना लड़े ही हथियार डाल दिए। सहवाग ने कहा, मैं भारत के प्रदर्शन से पूरी तरह निराश हूं क्योंकि हारना एक पहलू है लेकिन बिना लड़े, इस तरह से हारना निराशाजनक है। बॉडी लैंग्वेज बिल्कुल भी अच्छी नहीं थी और ऐसा नहीं लग रहा था कि हम कभी विश्व क्रिकेट पर हावी थे।

एशियाई चैंपियन संजीत का विजयी पंच, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, निशांत ने भी दिखाया दम

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। एशियाई चैंपियन संजीत कुमार और निशांत देव ने एआईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। इन दोनों मुक्केबाजों ने सर्बिया के ब्रेलग्रेड में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में अंतिम-16 के मुकाबलों में आसान जीत हासिल की है और इसी के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। निशांत इस समय शानदार फॉर्म में हैं, हालांकि उन्हें मैक्सिको के मार्को अल्वारेज वेर्डे से हुए मैच में थोड़ी परेशानी हुई। निशांत ने 71 किलोग्राम भारवर्ग में रविवार रात हुए मुकाबले में अपने विरोधी को 3-2 से हराने में सफल रहे। वह क्वार्टर फाइनल में रूस के वादिम मुसाएव से भिड़ेंगे।

पिछली विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे संजीत ने जॉर्जिया (92 किलोग्राम भारवर्ग) के जियोर्जी चिग्लेड्ज को 4-1 से हराकर लगातार दूसरी बार अंतिम आठ दौर में प्रवेश किया। संजीत क्वार्टर फाइनल में

इटली के अजीज आबेस मोहिदिन से भिड़ेंगे। इस टूर्नामेंट के स्वर्ण पदक विजेता को एक लाख रुपये की इनामी राशि मिलेगी। रजत पदक विजेता को 50 हजार डॉलर जबकि दोनों कांस्य पदक विजेताओं में प्रत्येक को 25 हजार डॉलर मिलेंगे। टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 26 लाख डॉलर है।

आकाश कुमार (54 किलोग्राम भारवर्ग) और नरेंदर बरवाल (+92 किलोग्राम भारवर्ग) ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दोनों ने अंतिम 16 के मुकाबलों में अलग-अलग अंदाज में जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल जगह पक्की की। पिछले दौर में वॉकओवर हासिल करने वाले आकाश को पुअर्तो रिको के कालेब तिराडो ने कड़ी चुनौती दी लेकिन जजों ने सर्वसम्मति से भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला दिया। उन्होंने 5-0 से जीत दर्ज की। वहीं नरेंदर ने ताजिकिस्तान के जाखोन कुरबोनोव को हराया। तिराडो ने शुरुआती दौर में आकाश के शरीर पर प्रभावशाली पंच लगाये लेकिन आकाश ने शानदार तरीके से पलटवार करते हुए ज्यादा सटीक पंच लगाये, जिसे जजों का समर्थन मिला। पुअर्तो रिको के खिलाड़ी को दूसरे दौर में एक अंक की कटौती का भी सामना करना पड़ा। उन्हें सिर झुकाकर रखने पर चेतावनी दी गयी थी। आकाश का सामना अब रियो ओलिंपिक के रजत पदक विजेता योएल फिनोल से होगा। आकाश ने दूसरे दौर में जर्मनी के प्रतिद्वंद्वी ओमर सलाह इब्राहिम के बीमार होने के कारण वाकओवर दिये जाने के बाद अगले दौर में जगह बनायी थी।

75 किलोग्राम भारवर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे सुमित ने शनिवार को ताजिकिस्तान के अब्दुमलिक बोलताएव पर शानदार जीत से एआईबीए पुरूष विश्व चैम्पियनशिप के प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। सुमित ने बोलताएव को 5-0 से परास्त किया। सुमित का सामना अब सोमवार रात को प्री क्वार्टर फाइनल में क्यूबा के योनलिस हर्नांडिज से होगा। उनके अलावा सोमवार रात को 57 किलोग्राम भारवर्ग में रोहित मोर, 65 किलोग्राम भारवर्ग में आकाश सांगवान, 51 किलोग्राम भारवर्ग में दीपक और 63 ।5 किलोग्राम भारवर्ग में शिव थापा उतरेंगे।

क्या वनडे की कप्तानी से भी इस्तीफा देंगे कोहली

टी-20 वर्ल्ड कप की नाकामी ने दी टेंशन

दुबई, 1 नवम्बर। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए सुपर 12 राउंड के एक अहम मुकाबले में टीम इंडिया को आठ विकेट से हरा दिया और विराट कोहली की टीम को टी-20 वर्ल्ड कप से लगभग बाहर कर दिया। पहले मैच में पाकिस्तान से दस विकेट से मिली हार के बाद लगातार दूसरा मैच गंवाने से भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। इसके साथ ही इस समय टी-20 कप्तान कोहली की लीडरशिप पर भी सवाल उठने लगे हैं। कोहली इस टूर्नामेंट के बाद टी-20 फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार के बाद वनडे कप्तान के तौर पर भी उनके भविष्य पर भी सवाल उठेंगे।

खबरों के अनुसार, भारत को अब 2023 में अपने घर में 50 ओवरों का वर्ल्ड कप खेलना है। यूएई और ओमान में खेले जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप की निराशा के बाद विराट वनडे की कप्तानी करते रहेंगे, इस बात पर

संशय कायम है और इस पर आगे चलकर चर्चा जरूर होगी। कागजों पर दुनिया का सबसे मजबूत भारतीय बल्लेबाजी क्रम न्यूजीलैंड की अनुशासित गेंदबाजी के सामने बुरी तरह बिखर गया। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद अब भारत के लिए सेमीफाइनल की राह इतनी कठिन हो गई है कि अगर अफगानिस्तान न्यूजीलैंड को हरा देता है तो वह भी दौड़ में बना रहेगा। वह भी तब जब भारत अफगानिस्तान, नामीबिया और स्कॉटलैंड तीनों को हरा दे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के अधिकांश बल्लेबाज आसान कैच देकर आउट हुए। भारतीय पारी में 54 डॉट गेंदें रही यानी कुल नौ ओवरों में रन ही नहीं बने। पिच में कोई खराबी नहीं थी लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने कीवी स्पिनरों के आगे घुटने टेक दिए। भारत के लिए सबसे बड़ा झटका रोहित शर्मा और कप्तान विराट दोनों का खराब फॉर्म में रहना रहा।

पहले अगस्ता भ्रष्ट था, अब बीजेपी की लॉन्ड्री में धुल गया : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 08 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाले से जुडी इटली की कंपनी से बैन हटाने को लेकर सरकार को घेरा है। पार्टी ने प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार को लेकर दोहरा मापदंड अपनाने का भी आरोप लगाया है। पार्टी ने सवाल किया कि क्या पीएम की इटली यात्रा के दौरान कोई डील हुई है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर सरकार पर तंज करते हुए कहा कि पहले अगस्ता भ्रष्ट था, अब भाजपा लॉड्री में धुलकर साफ हो गया है। वहीं, पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार भ्रष्ट कंपनी पर मेहरबान क्यों हैं।

वल्लभ ने कहा कि प्रधानमंत्री इटली की कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड को एक भ्रष्टाचारी कंपनी कह चुके हैं। इसके बावजूद सरकार ने पहले इस कंपनी को मेक इन इंडिया प्रोग्राम में हिस्सा लेने की इजाजत दी और अब कंपनी पर लगाए गए सभी तरह के प्रतिबंधों को हटा लिया गया है।

उन्होंने कहा कि पीएम अभी इटली गए थे। वल्लभ ने दावा किया कि वहां एक बैठक में अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी को लेकर चर्चा हुई। इस बैठक में एनएसए अजित डोवाल और विदेश मंत्री जयशंकर भी शामिल हुए। पीएम के इटली से लौटने के बाद सभी प्रतिबंध हटा दिए।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री को देश को बताना चाहिए कि अब यह कंपनी भ्रष्ट या नहीं? पीएम को देश को बताना चाहिए कि उनकी इस मामले में कोई सीक्रेट डील हुई है या नहीं। इसके साथ पार्टी ने पीएम से देशवासियों से झूठ बोलने के लिए माफी मांगने की भी मांग की है।

गौरव वल्लभ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने इस कंपनी को 1620 करोड़ रुपए दिए थे और 2954 करोड़ रुपए वापस ले लिए थे। ऐसे

में यह सवाल है कि सरकार की कंपनी को क्लीनचिट देने के बाद इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन में चलेगा या नहीं। क्या सरकार केस वापल ले लेगी।

पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भी इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर पूछा कि सरकार और अगस्ता (फिनमेकेनिका) के बीच गुप्त समझौता क्या है? क्या अब उस कंपनी से डील करना ठीक है, जिसे पीएम और सरकार रिश्वत देने वाली फर्जी कपंनी बता चुके हैं।

सबूतों से छेड़छाड़ मामले में अंसल बंधुओं को सात साल की जेल

नई दिल्ली, 08 नवम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को उपहार थिएटर के मालिक सुशील और गोपाल अंसल को सबूतों से छेड़छाड़ मामले में सात साल कैद की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों पर 2.25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया।

पटियाला हाउस कोर्ट के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (सीएमएम) डॉ. पंकज शर्मा ने फैसला सुनाते हुए कहा कि काफी सोचने-समझने के बाद, मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि वे सजा के पात्र हैं।

इससे पहले, अंसल बंधुओं को सुप्रीम कोर्ट ने दोषी ठहराया था और दो साल जेल की सजा सुनाई थी। शीर्ष अदालत ने अगस्त 2015 में दोनों को 30-30 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने को कहा था।

फरवरी 2017 में, शीर्ष अदालत ने 2:1 बहुमत के फैसले के माध्यम से 78 वर्षीय सुशील अंसल को अधिक उम्र के कारण आ रही शारीरिक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें जेल की सजा से राहत दी थी, जो उन्होंने पहले ही काट ली थी। हालांकि, अदालत ने उनके छोटे भाई गोपाल अंसल को शेष एक साल की जेल की सजा काटने के लिए कहा था।

13 जून, 1997 को बॉर्डर फिल्म की स्क्रीनिंग के बीच दक्षिण दिल्ली के ग्रीन पार्क में स्थित उपहार सिनेमा में आग लग गई थी, जिसमें 59 लोग मारे गए थे।

कश्मीर में चुप्पी को शांति के तौर पर देखना गलत : महबूबा

श्रीनगर, 08 नवम्बर (एजेन्सी)। पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि कश्मीर में चुख्रपी को शांति की निशानी मानना गलत है।

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा, जम्मू-कश्मीर में लोगों का गला घोंटा गया है और यहां जबरदस्ती चुख्रपी को शांति के तौर पर देखना सही नहीं है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अतिरिक्त बल भेजना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि स्थिति अच्छी नहीं है।

उन्होंने कहा, कश्मीर में हालिया नागरिक हत्याएं प्रशासन की पूरी तरह से विफलता है जो इस तरह की घटनाओं को रोकने में विफल रही है।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। प्राइम मिनिस्टर केयर्स फंड सबसे बड़ा घोटाला है। महबूबा ने कहा कि प्रधानमंत्री केयर फंड से खरीदे गए वेंटिलेटर श्रीनगर में ही नहीं गुजरात में भी खराब पड़े हैं।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री केयर फंड में बड़ी रकम ट्रांसफर की गई है और कोई भी लोगों के प्रति जवाबदेह नहीं है। इस फंड के जरिए खरीदे गए खराब वेंटिलेटर स्पष्ट संकेत हैं कि यह सबसे बड़ा घोटाला है।

महबूबा ने आगे कहा, भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के बारे में लंबे-चौड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन वर्तमान समय में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है और परिष्कृत तरीके से चल रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा द्वारा दिए गए बयान तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। ये सिर्फ शब्द हैं और इससे आगे कुछ नहीं। इन बयानों का कोई महत्व नहीं है।

जिन्होंने आपको पलायन करने पर मजबूर किया, वे अब खुद पलायन कर गए : योगी

शामली, 08 नवम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को शामली जिले के कैराना का दौरा किया और लोगों को आश्वासन दिया कि उनके शासन में, जिन्होंने 2016 में लोगों को पलायन करने के लिए मजबूर किया था, वे खुद राज्य से बाहर चले गए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान एक प्रोविन्शियल आर्म्ड कांस्टेबुलरी (पीएसी) बटालियन शिविर और अन्य परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

उन्होंने उन लोगों के एक समूह से मुलाकात की, जो 2016 में कैराना छोड़ कर लौट आए थे। 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद शहर का यह उनका पहला दौरा था।

उन्होंने कहा, '2014 और 2016 के बीच, कैराना में कई हिंदू परिवार दूसरे समुदाय से जबरन वसूली की धमकी के कारण पलायन कर गए थे। हालांकि, मेरे शासन में, जिन्होंने आपको कैराना छोड़ने के लिए मजबूर किया, वे अब जगह छोड़ चुके हैं क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें उनके कुकर्मों के लिए भुगतान करना होगा।'

कैराना से पलायन को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया था। 2017 के विधानसभा चुनाव में कैराना से हिंदू परिवारों का पलायन एक बड़ा मुद्दा था।

अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इन परिवारों के साथ मुख्यमंत्री की बैठक राजनीतिक महत्व रखती है।

लखीमपुर खीरी हिंसा की जांच से असंतुष्ट सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट ने एक रिटायर्ड जज से कराई जाए जांच

नई दिल्ली, 08 नवम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को लखीमपुर खीरी हिंसा की घटना में केवल एक आरोपी का मोबाइल फोन जब्त करने और दो प्राथमिकी में साक्ष्य एकत्र करने की प्रक्रिया के संबंध में एसआईटी जांच पर अपना असंतोष व्यक्त किया।

कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को बताया कि चार्जशीट दाखिल होने तक वह दिन-प्रतिदिन की जांच की निगरानी के लिए एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को नियुक्त करने के लिए इच्छुक है। मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमन्ना की अध्यक्षता वाली और न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने एक वकील से कहा, 'हम मामले में निष्पक्षता लाने की कोशिश कर रहे हैं..।'

शुरुआत में, मुख्य न्यायाधीश ने उत्तर प्रदेश सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे से कहा, 'स्टेटस रिपोर्ट में कुछ भी नहीं है। हमने 10 दिन का समय दिया है .. लैब रिपोर्ट अब तक नहीं आई है। यह हमारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है।'

शीर्ष अदालत ने साल्वे से पूछा कि मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को छोड़कर लखीमपुर खीरी कांड के सभी आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त क्यों नहीं किए गए?

न्यायमूर्ति कोहली ने विशेष रूप से पूछा कि क्या यह सरकार का रुख है कि अन्य आरोपी सेल फोन का इस्तेमाल नहीं करते थे?

साल्वे ने कहा कि मामले में कुल 16 आरोपी थे, जिनमें से तीन की मौत हो गई और 13 को गिरफ्तार कर लिया गया।

कोहली ने पूछा, '13 आरोपियों में से एक आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है?'

शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार से कहा कि प्रदर्शन कर रहे किसानों को वाहन से कुचलने और आरोपियों की पीट-पीट कर हत्या करने की दोनों घटनाओं की निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि एक विशेष तरीके से गवाहों के बयान दर्ज करके एक विशेष आरोपी को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

न्यायमूर्ति कांत ने कहा, 'हमें जो प्रतीत होता है वह यह है कि एसआईटी प्राथमिकी (एक जहां किसानों को कार से कुचला गया और अन्य आरोपी मारे गए) के बीच अंतर बनाए रखने में असमर्थ है .. यह महत्वपूर्ण है कि 219 और 220 (एफआईआर) में सबूत सुनिश्चित करने के लिए इसे स्वतंत्र रूप से दर्ज किया जाए।'

पीठ ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश एसआईटी द्वारा साक्ष्य दर्ज करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया के बारे में आश्वस्त नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम जबतक कि आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा, दिन-प्रतिदिन की जांच की निगरानी के लिए एक अलग उच्च न्यायालय से एक न्यायाधीश नियुक्त करने के इच्छुक हैं।'

पीठ ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के दो पूर्व न्यायाधीशों के नामों का सुझाव दिया ताकि मामलों को मिलाने से बचने के लिए गवाहों के बयान दर्ज किए जाए।

पीठ ने आरोप पत्र दायर होने

तक जांच की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र न्यायाधीश की नियुक्ति पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा और मामले को शुक्रवार को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को लखीमपुर खीरी हिंसा कांड में कथित रूप से पीट-पीटकर मार डाले गए एक मृतक आरोपी के वकील की दलीलों पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें मामले की सीबीआई जांच की मांग की गई थी।

मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन्ना की अध्यक्षता वाली और जस्टिस सूर्यकांत और हेमा कोहली की पीठ ने मृतक आरोपी श्याम सुंदर की विधवा रूबी देवी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण भारद्वाज से कहा कि वह चार्जशीट दाखिल होने तक जांच की निगरानी के लिए एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की सिफारिश करके जांच में निष्पक्षता लाने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने जांच में खराब प्रगति पर उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अदालत मामले में राजनीतिक रंग नहीं जोड़ना चाहती, क्योंकि उसने मामले की निगरानी के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश पर जोर दिया है।

भारद्वाज ने कहा, 'मुझे सीबीआई चाहिए..।

पीठ ने जवाब दिया, 'सीबीआई हर समस्या का समाधान नहीं है..।'

शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि वह उत्तर प्रदेश राज्य के बाहर एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को नियुक्त करने के इच्छुक हैं।

पीठ ने कहा, 'हम एकत्र किए गए सबूतों की रक्षा करना चाहते हैं।'

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने स्पष्ट किया कि हिंसा में मारे गए पत्रकार को वास्तव में कार ने कुचल दिया था और वह बाहर था। पीठ ने कहा कि ऐसा आभास दिया गया कि पत्रकार को पीट-पीटकर मार डाला गया।

मुख्य न्यायाधीश ने साल्वे से कहा, 'कुछ स्वतंत्र न्यायाधीशों को कार्यवाही की निगरानी करनी चाहिए। आप अपनी सरकार से पता लगा सकते हैं.।'

भारद्वाज ने सुंदर की हत्या से पहले की तस्वीर और बुलेट प्रूफ जैकेट पहने पुलिस कर्मियों के साथ और एके 47 राइफलें भी दिखाईं। पीठ ने उनसे लगातार स्क्रीन पर तस्वीर नहीं दिखाने को कहा और कहा, 'इसलिए हम एक स्वतंत्र न्यायाधीश द्वारा निगरानी का प्रस्ताव कर रहे हैं।'

इसमें आगे कहा गया है कि अगर राज्य सरकार एक स्वतंत्र न्यायाधीश द्वारा निगरानी के लिए सहमत होती है, तो वह उसके सामने सामग्री जमा कर सकता है।

भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने 15 दिन पहले उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता को फोटो भेजी थी, लेकिन अब तक कुछ नहीं किया गया है। साल्वे ने कहा कि अगर इस स्तर पर सीबीआई को लाया जाता है, तो एक अलग समस्या होगी।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR HOOGHLY MORNING

Draw No:49 DrawDate on:05/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 56H 15102

Cons. Prize Rs.1000/- 16102 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

03901 07970 11867 15729 29363 42505 73877 74728 76711 78801

3rd Prize ₹450/-

0156 0820 1540 1575 2131 2503 3076 3968 8630 9077

4th Prize ₹250/-

2431 3831 5236 6224 6832 6881 7665 9076 9349 9985

5th Prize ₹120/-

0050 0180 0196 0457 0586 1053 1133 1269 1282 1313
1437 1534 1556 1569 1784 1799 2061 2153 2383 2415
2460 2740 2755 2827 2889 2891 3039 3206 3404 3430
3826 3872 3971 3992 4043 4232 4282 4370 4422 4493
4584 4619 4727 5055 5166 5336 5446 5449 5481 5695
5867 6049 6123 6356 6531 6752 7057 7113 7384 7591
7633 7659 7808 7818 7835 7949 8175 8178 8183 8196
8296 8328 8402 8558 8605 8635 8735 8751 8769 8883
9022 9109 9121 9209 9239 9297 9305 9343 9351 9384
9393 9439 9465 9513 9774 9811 9822 9827 9868 9901

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MARS SATURDAY

Draw No:49 DrawDate on:06/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 96H 65872

Cons. Prize Rs.1000/- 66872 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

18370 31436 36871 42059 43674 54431 64212 69671 77392 80936

3rd Prize ₹450/-

0340 0460 2038 5013 5730 6308 6313 8102 8589 9108

4th Prize ₹250/-

4154 4803 5008 5289 6353 6623 6675 6776 7063 8436

5th Prize ₹120/-

0068 9122 0138 0144 0211 0267 0347 0405 0537 0664
0788 0818 0875 0918 0932 0950 0975 1150 1466 1635
1666 1712 1848 1989 2010 2101 2555 2671 2969 2974
3075 3127 3261 3316 3378 3626 3634 3640 3647 3768
4054 4274 4283 4455 4461 4548 4686 4754 4819 4886
4991 4996 9129 5166 5179 5193 5320 5453 5632 5735
5884 6153 6256 6498 6576 6792 6798 6903 6908 7057
7076 7272 7495 7541 7593 7647 7699 7847 7883 8071
8148 8410 8429 8546 8621 8723 8743 9056 9104 9184
9231 9490 9500 9507 9589 9590 9740 9834 9926 9933

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR GANGA MORNING

Draw No:50 DrawDate on:08/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 55L 05591

Cons. Prize Rs.1000/- 06591 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

12705 13295 17568 18562 30172 37380 59928 61021 61980 90272

3rd Prize ₹450/-

1042 2351 2382 2960 5117 6100 7125 8074 9448 8734

4th Prize ₹250/-

0064 0363 1038 1573 2318 2353 4569 5079 8490 9680

5th Prize ₹120/-

0029 0030 0070 0129 0250 0274 0288 0356 0693 0707
0831 0845 1023 1054 1126 1132 1306 1358 1371 1401
1440 1451 1754 2251 2261 2300 2335 2461 2616 2719
2965 3423 3531 3535 3679 3708 3751 3765 3768 3832
3833 3963 4023 4119 4327 4734 5048 5104 3254 5278
5310 3441 5471 5481 5590 5640 5846 6065 6091 6112
6199 6202 6245 6281 6509 6538 6640 6746 6790 6911
6925 6954 6991 7005 7081 7150 7225 7502 7551 7725
7753 7880 8068 8179 8194 8323 8634 8753 8955 9006
9170 9202 9262 9288 9362 9406 9573 9805 9846 9973

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR EARTH FRIDAY

Draw No:49 DrawDate on:05/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 94A 46662

Cons. Prize Rs.1000/- 46662 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

02761 09409 09864 18929 23055 41821 54986 54988 72177 88020

3rd Prize ₹450/-

0739 3600 5853 5955 7154 7463 8097 8127 8686 8967

4th Prize ₹250/-

0547 0605 0701 0935 3179 3406 4477 5352 6678 8947

5th Prize ₹120/-

0133 0150 0252 0310 0732 0976 1199 1200 1302 1319
1453 1526 1646 1737 1815 1827 1875 1915 2005 2025
2378 2436 2451 2537 2658 2718 2895 2919 3196 3264
3291 3318 3379 3402 3433 3471 3484 3620 8714 8728
3761 3883 3924 3927 3936 3947 4118 4179 4271 4688
4741 4946 5065 6355 5523 5617 5646 5687 5704 5726
3828 5867 5905 5944 5961 5964 6062 6075 6090 6104
6229 6293 6432 6442 6493 6821 6834 7001 7103 7178
7307 7342 7355 7409 7446 7722 7828 7836 7941 8100
8337 8373 8445 8543 8716 8787 8946 9362 9673 9884

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR KOSAI MORNING

Draw No:49 DrawDate on:06/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 64C 43905

Cons. Prize Rs.1000/- 43905 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

02921 08572 40048 50131 54376 83875 86900 92265 93936 95943

3rd Prize ₹450/-

0082 2897 3925 5670 6153 7328 7448 8024 8974 9025

4th Prize ₹250/-

1055 1759 2330 3985 6294 7419 7476 7851 0485 9303

5th Prize ₹120/-

0002 0044 0185 0368 0664 0666 0829 0959 0977 1452
1720 1750 2064 2122 2156 2291 2327 2517 2519 2639
2727 2745 2992 3009 3027 3093 3155 3330 3501 3528
3535 3641 3721 3771 3793 3794 3806 3898 3959 4064
4150 4210 4211 4580 4963 5040 5078 5100 5103 5115
5239 5279 5336 5364 5420 5510 5679 5906 5922 5981
6293 6648 6725 6736 6761 6792 7013 7180 7248 7252
7268 7375 7517 7723 7732 7869 8002 8041 8169 8236
8287 8306 8403 8632 8849 9113 9124 9141 9155 9263
9369 9461 9525 9565 9581 9638 9700 9711 9852 9899

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR FLAMINGO EVENING

Draw No:150 DrawDate on:08/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 70H 94670

Cons. Prize Rs.1000/- 94670 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

05925 14835 30829 34690 36962 47491 69569 91099 95300 98219

3rd Prize ₹450/-

0622 1722 1814 1986 3067 3844 5241 5343 8523 9224

4th Prize ₹250/-

0583 1104 1601 1916 2295 2544 4049 4466 6413 7323

5th Prize ₹120/-

0303 0310 0317 0345 0348 0505 0525 8790 0839 0966
0972 1183 1232 1263 1458 1473 1646 1859 1968 2195
2278 2479 2526 2644 2683 2687 2710 2967 3207 3295
3379 3832 3838 3975 4047 4054 4117 4133 4136 4145
4292 4445 4464 4487 4664 4698 4845 4912 4918 4979
5119 5141 5188 5381 5637 5721 5726 5792 5835 5938
6010 6164 6208 6218 6307 5654 5861 7100 7108 7426
7507 7677 7749 7862 7986 8034 8114 8261 8292 8472
6553 6580 8649 8663 8689 8696 8764 8799 8904 9000
9119 9134 9149 9289 9340 9676 9689 9747 9847 9997

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR VULTURE EVENING

Draw No:149 DrawDate on:05/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 74B 96475

Cons. Prize Rs.1000/- 96475 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

21981 31429 43695 47663 49290 54801 61354 72466 79709 84925

3rd Prize ₹450/-

1208 2644 4505 4829 6216 6932 7416 7765 9648 9912

4th Prize ₹250/-

0349 1042 1282 2393 3390 3703 5054 5086 5697 9873

5th Prize ₹120/-

0103 0163 0276 0289 0568 0682 0815 0955 1019 1072
1394 1408 1576 1698 1699 1711 1727 1808 1819 1858
2014 2079 2126 2355 2410 2414 2444 2630 2638 2707
2734 2884 2926 2950 2981 3006 3055 3075 3254 3279
3383 3523 3563 3667 3913 3935 4110 4232 4296 4530
4600 4883 4930 5097 5101 5538 5552 5652 5792 5816
6036 6194 6272 6386 6600 6620 6636 6776 6853 6992
7124 7251 7353 7455 7614 8250 8270 8349 0445 0481
8531 8547 8567 8894 8937 9041 9405 9462 9557 9612
9649 9657 9661 9697 9703 9733 9759 9800 9823 9999

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR OSTRICH EVENING

Draw No:149 DrawDate on:06/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 76K 70001

Cons. Prize Rs.1000/- 70001 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

04511 10698 14248 14709 22409 33998 44913 45715 47317 77194

3rd Prize ₹450/-

0321 0348 1690 2483 3329 3863 7090 7425 8722 8935

4th Prize ₹250/-

1268 2560 3214 3896 4931 5720 6077 6434 7380 9497

5th Prize ₹120/-

0048 0192 0363 0374 0507 0632 0678 0910 0943 1072
1156 1195 1233 1240 1318 1354 1360 1383 1685 1709
1795 2295 2313 2334 2549 2561 2571 2606 2717 2795
2833 2995 3158 3223 3266 3358 3359 3395 3635 3742
3831 3936 4357 4462 4634 4674 4707 4936 4938 5010
5115 5134 5146 5147 5243 5327 5380 5456 5484 5576
5618 5723 5732 5759 6164 6343 6427 6435 6557 6637
6698 6821 6832 6925 6952 7001 7118 7438 7580 7805
7823 8002 8042 8368 8384 8434 8723 8741 8760 8832
8893 8994 9107 9237 9456 9634 9635 9695 9703 9768

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR SUN MONDAY

Draw No:50 DrawDate on:08/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 78B 10711

Cons. Prize Rs.1000/- 10711 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

03240 21102 24100 27164 27637 49770 73497 75787 93753 95379

3rd Prize ₹450/-

1008 1686 1974 2582 2632 4227 4631 4871 7371 9772

4th Prize ₹250/-

0601 0635 0888 3178 4308 4320 6095 8118 9309 9704

5th Prize ₹120/-

0008 0122 0213 0352 0758 8792 0828 0859 0889 0940
1069 1325 1327 1356 1379 1546 1844 1923 1946 2064
2067 2183 2262 2493 2723 2740 2745 2887 2902 2990
3003 3143 3210 3592 3474 3560 3915 4115 4149 4174
4177 4208 4261 4272 4372 4621 4671 5041 5061 5200
5208 5254 5370 5462 5651 5742 5841 5881 6039 6058
6093 6517 6584 6612 6659 6898 7103 7109 7159 7208
7244 7264 7344 7397 7525 7589 7625 7649 7699 7787
7892 7905 8138 8336 8714 8780 8891 8902 8972 9073
9184 9372 9418 9424 9442 9460 9731 9769 9778 9871

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

पीछे कोरोना, आगे चुनाव

करीब दो साल के अंतराल पर बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक ऐसे समय हुई है, जब पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की अहम चुनौती सामने है। दो साल का यह अंतराल भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक अमूमन तीन महीने के अंतर पर होती है। मगर कोरोना महामारी के साये में गुजरे ये दो साल असाधारण उथल पुथल वाले रहे हैं। आश्चर्य नहीं कि सत्तारूढ़ पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस बैठक में ये दोनों पहलू छाये रहे।

कोरोना की दूसरी लहर की समाप्ति और सौ करोड़ से ज्यादा टीके लगाए जाने में कामयाबी की बदौलत पार्टी ने इस मोर्चे पर सरकार की मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उसे एक तरह से फुल मार्क्स दे दिए। जहां तक चुनावी चुनौतियों का सवाल है तो इसमें दो राय नहीं कि मोदी-शाह युग में चुनाव-दर-चुनाव जीत दर्ज कराने में बीजेपी का रेकॉर्ड खासा अच्छा रहा है और यह ट्रेंड बदल गया है या बदल रहा है ऐसा अब भी नहीं कहा जा सकता। इसके कमजोर पड़ने के कुछ संकेत जरूर हाल के दिनों में मिले हैं।

ताजा उदाहरण तीन लोकसभा और 29 विधानसभा चुनाव क्षेत्रों के उपचुनाव नतीजों का है जिनमें बीजेपी का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में मिली सफलता पर हिमाचल प्रदेश की चारों सीटों में मिली नाकामी भारी रही। पार्टी में इसे लेकर चिंता स्वाभाविक रूप से होगी, मंथन भी चला होगा, लेकिन बीजेपी जैसी बड़ी पार्टियां छोटी नाकामियों को ध्यान में रखते हुए भी बड़ी कामयाबियों पर फोकस करते हुए चलना जानती हैं।

इस कार्यकारिणी की बैठक से भी मोटा संदेश यही दिया गया कि पार्टी केरल, आंध्रप्रदेश जैसे उन राज्यों में अपनी पैठ बढ़ाने का काम हाथ में लेगी जहां वह नहीं पहुंच सकी है। पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के लिहाज से यूपी पार्टी के लिए सबसे अहम है और योगी किसी बीजेपी शासित राज्य के अकेले मुख्यमंत्री रहे जिन्हें इस बैठक में आमंत्रित किया गया था। राजनीतिक प्रस्ताव भी उन्होंने ही पेश किया। बैठक में सरकार की ओर से गरीबों के लिए शुरू की गई कल्याण योजनाओं को तो हाइलाइट किया ही गया, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के विशेष प्रावधान खत्म करने जैसे कदम की ऐतिहासिकता को भी रेखांकित किया गया।

2004 से 2014 के बीच आतंकी घटनाओं में मारे गए 2081 लोगों के मुकाबले 2014 से सितंबर 2021 के बीच हुई 239 नागरिकों की मौत के आंकड़ों के सहारे राजनीतिक प्रस्ताव में सरकार की जम्मू कश्मीर नीति को सफल बताया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कार्यकर्ताओं को मिशन मोड में लाने का प्रयास किया। बहरहाल, चाहे कोरोना से हुई लड़ाई की बात हो या आतंकवाद को काबू में करने की, पार्टी के इन दावों का असल परीक्षण पार्टी से बाहर के मंचों पर और आखिरकार जनता की अदालत में होना है। और, वहां इन्हें अन्य बातों के अलावा समय की कसौटी से भी गुजरना होगा।

संपादकीय पृष्ठ

भारत के लिए चुनौती

प्रशांत दीक्षित

भले ही चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का महत्वाकांक्षी सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम 1970 के दशक के अंत में शुरू हुआ था, लेकिन अब यह एक ऐसी स्थिति में पहुंच चुका है कि विश्व समुदाय और भारत को इस पर ध्यान देना चाहिए। इस घटनाक्रम को बारीकी से देखने की जरूरत है। सैन्य आधुनिकीकरण तथा युद्ध में प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए सैन्य संगठन, सिद्धांत, शिक्षण, प्रशिक्षण और कार्मिक नीतियों में सुधार की आवश्यकता थी। इस दिशा में चीन ने जो सुधार किए, उनमें केंद्रीय सैन्य आयोग के गठन और अन्य वैचारिक परिवर्तनों के साथ 1984 में नए सैन्य सेवा कानून का अधिनियमन शामिल था। इसने चीनी पीएलए को पहले जैसी सांस्कृतिक सेना के मुकाबले एक सैन्य चेहरा प्रदान किया।

यह सैन्य सुधार रक्षा अनुसंधान एवं विकास के पुनर्गठन और सैन्य व असैन्य विज्ञान तथा उद्योग को एकीकृत करने के लिए औद्योगिक आधार पर केंद्रित था। हथियारों के उन्नयन के लिए चुनिंदा विदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया गया। रक्षा उद्योग सुधारों के फलस्वरूप अंतरराष्ट्रीय हथियार बाजार में चीन का प्रवेश भी हुआ। हाल ही में अमेरिकी रक्षा मंत्री की अमेरिकी कांग्रेस को सौंपी गई एक ताजा रिपोर्ट में चीनी सेना के सैन्य-तकनीकी विकास के वर्तमान और संभावित भविष्य के कार्यक्रम और इसकी सुरक्षा व सैन्य रणनीति के सिद्धांतों और संभावित विकास के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है। यह खतरनाक बदलाव को दर्शाता है। चीन के पास दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है, जिनमें लगभग 350 जहाजों और पनडुब्बियों की कुल युद्ध शक्ति है, जिसमें 130 से अधिक सतह पर वार करने वाले लड़ाकू विमान भी शामिल हैं। इसकी तुलना में, अमेरिकी नौसेना के युद्ध बल में 2020 की शुरुआत में लगभग 293 जहाज थे। भूमि आधारित पारंपरिक बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों में, चीन के पास 1,250 से अधिक ग्राउंड-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल और ग्राउंड-लॉन्च क्रूज मिसाइल हैं, जो 500 से 5,500 किलोमीटर तक वार कर सकते हैं। अमेरिका के पास फिलहाल एक तरह का पारंपरिक ग्राउंड-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल है, जो 70 से 300 किलोमीटर तक वार कर सकती है और उसके पास कोई ग्राउंड-लॉन्च क्रूज मिसाइल नहीं है। एकीकृत वायु रक्षा प्रणालियों के दायरे में चीन सतह से हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की उन्नत प्रणालियों वाली दुनिया की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है, जिनमें रूस निर्मित एस-400, एस-300 और घरेलू स्तर पर तैयार सिस्टम शामिल हैं, जो इसकी मजबूत और एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली का हिस्सा हैं।

हालांकि चीनी परमाणु बलों के विकास का गहन अंतर्दृष्टि के साथ मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। अमेरिकी परमाणु हथियारों के साथ बराबरी या उससे ज्यादा हथियार रखने की कोशिश के बजाय चीन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि अमेरिकी हमलों के मद्देनजर उसके पास एक सुनिश्चित जवाबी क्षमता हो। चीन स्वतंत्र रूप से लक्षित कई रीएंट्री वाहन हथियारों की बड़ी संख्या को अपने बेड़े में शामिल कर रहा है। समुद्र, जमीन और वायु से परमाणु हमला करने की क्षमता से उसके परमाणु हथियारों में और बढ़ोतरी होगी, क्योंकि ये नई प्रणालियां सुसज्जित हैं। पीएलए की वायुसेना एक नई वायु-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइल विकसित करके परमाणु मिशन को भी अपना रही है, जो परमाणु सक्षम होने के साथ ही परमाणु-सक्षम एच-20 रणनीतिक बमवर्षक भी हो सकती है। इतनी तेजी से सैन्य विकास के बीच हो सकता है कि चीन ने परमाणु हथियारों में भी निवेश किया हो, जिससे उसके पड़ोसियों को तात्कालिक खतरा है। जैसा कि हम जानते हैं कि पूर्वी लद्दाख में मोर्चे पर तैनात हमारे सैनिकों को लक्ष्य करके चीन ने बैलेस्टिक मिसाइल तैनात कर रखे हैं। चीन द्वारा अभी हासिल की गई सैन्य क्षमता के अलावा उसके द्वारा हाल ही में तैनात की गई मध्य और मध्यवर्ती रेंज की बैलेस्टिक मिसाइलें भी उसकी मंशा के बारे में बताती हैं।

कुल मिलाकर, हालिया रणनीतिक परिदृश्य चीन के वर्चस्ववादी रवैये के ही बारे में बताता है, जिसके तहत वह भारत की सीमा और ताइवान में अपनी सैन्य उपस्थिति जताने के अलावा दक्षिण चीन सागर में भी आक्रामकता का परिचय दे रहा है। वह दक्षिण चीन सागर के एक बड़े हिस्से पर अपनी ऐतिहासिक हिस्सेदारी का दावा करता आया है, हालांकि हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय उसके दावे को खारिज कर चुका है। लेकिन बीजिंग इस कानूनी फैसले को स्वीकारने के लिए भी तैयार नहीं है। आक्रामक रवैये से चीन ने ब्रुनेई, ताइवान, वियतनाम, मलयेशिया और फिलीपींस के साथ अपने संबंधों को और भी जटिल तथा तनावपूर्ण बना दिया है।

विगत चार नवंबर की एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने सूचित किया है कि भारत और चीन के बीच तनाव कम करने के लिए कोर कमांडरों की लगातार वार्ताओं के बावजूद बीजिंग ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने दावे के अनुरूप दबाव बनाने के लिए वर्चस्ववादी और सामरिक कदम उठाना जारी रखा है। यही नहीं, भारत को अमेरिका के साथ मजबूत रिश्ता बनाने से रोकने के लिए भी वह प्रयत्नशील है, जिसमें वह विफल हुआ है। पेंटागन का साफ कहना है कि चीन का खासकर भारत के प्रति रिश्ता बेहद आक्रामक और दबाव बनाने वाला है। इसी के तहत उसने सीमा पर तनाव को देखते हुए तिब्बत और शिंजियांग सैन्य जिलों से सैनिकों को लाकर पश्चिमी चीन में तैनात कर रखा है। पेंटागन का यह भी कहना है कि चीन ने पिछले साल चीनी तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और भारत के अरुणाचल प्रदेश के बीच के विवादग्रस्त क्षेत्र में सौ घरों का एक गांव बसाया है।

अमेरिका के इस खुलासे में सच्चाई है। कई बैठकों के बावजूद चीन ने डेपसांग घाटी और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण कई इलाकों से अपने सैनिक हटाने से मना किया है। उससे भी बदतर यह कि हाल ही में एक कानून बनाकर उसने सीमा के गांवों को भारतीय सैनिकों के खिलाफ एकतरफा कदम उठाने को अधिकृत कर दिया है। दोतरफा वार्ताओं के बीच चीन के इस रवैये से परेशानी ही बढ़ेगी। भारत-अमेरिका रिश्तों को पटरी से उतारने की चीनी कोशिश अर्थहीन है, क्योंकि इन दो लोकतंत्रों के बीच मजबूत संबंध दशकों की आपसी समझ-बूझ से बने हैं।

टीएलपी के आगे इमरान का समर्पण

मरिआना बाबर

लगभग दो साल पहले परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्रों के साथ ही दुनिया के सबसे गरीब देशों के लिए एक वक्त का भोजन जुटाना भी मुश्किल हो रहा था, क्योंकि दोनों एक साझा शत्रु का सामना कर रहे थे। और यह शत्रु थी विश्वव्यापी कोविड-19 महामारी, जिसने सारी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। यह वायरस इतना छोटा था कि इसे नंगी आंखों से नहीं देखा जा सकता था, फिर भी यह इतना शक्तिशाली था कि इसने इस धरती पर से लाखों लोगों का सफाया कर दिया।

आज भी मानव जाति इस अज्ञात चुनौती का सामना करने के लिए जूझ रही है, भले ही महामारी थोड़ी कम हो गई है, लेकिन यह अब भी मौजूद है और दुनिया भर में लोगों का जीवन, चाहे अमीर हों या गरीब, अब भी खतरे में है। कम से कम पिछले हफ्ते हमने जो कुछ देखा, उससे प्रतीत होता है कि पाकिस्तान में इस महामारी से कोई सबक नहीं सीखा गया है और इस परमाणु सशस्त्र राष्ट्र ने अब कुछ ऐसी चीजों को बढ़ावा दिया है, जो कोविड -19 की तुलना में घातक और शायद अधिक खतरनाक है।

मैं खुद रावलपिंडी शहर के अंदर कैद होकर रह गई, क्योंकि इस्लामाबाद, पेशावर या लाहौर जाने वाली सभी सड़कें बंद थीं, क्योंकि धार्मिक कट्टरपंथियों ने धरना दिया, लोगों की हत्या की, उन्हें उत्पीड़ित किया और गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मियों को वे इस्लामाबाद आने से रोक रहे थे। सड़क मार्ग से लोगों की आवाजाही और व्यापार पूरी तरह ठप हो गया था। पाकिस्तान और उसके नागरिकों के लिए यह खतरा पहले से कम ज्ञात धार्मिक संगठन, तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) है, जो एक प्रतिबंधित संगठन है।

आज इसने देश को अपने उन्माद की चपेट में ले लिया है। टीएलपी की मांग अपने नेताओं और अनुयायियों को रिहा करने के लिए थी, जिन पर आतंकवाद विरोधी अदालतों में मुकदमा चलाया गया था। इसके अलावा वे फ्रांसीसी राजदूत को भी निष्कासित करने की मांग कर रहे थे, क्योंकि फ्रांस ने मुस्लिम आतंकवादियों द्वारा अपने नागरिकों की हत्या के बाद कई मुस्लिम विरोधी कानून पारित किए थे, और यूरोपीय संघ के साथ रिश्ते खत्म कर दिए थे।

आज तक सुरक्षा प्रतिष्ठान, प्रधानमंत्री और कुछ वरिष्ठ मंत्रियों को छोड़कर किसी को भी हस्ताक्षर किए गए समझौते के बारे में पता नहीं है। जाहिर है, सरकार कथित रूप से पुलिसकर्मियों की हत्या और मुल्क और सार्वजनिक संपत्तियों को नष्ट करने में शामिल टीएलपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ आपराधिक मामलों को आगे नहीं बढ़ाने पर सहमत हो गई है। ऐसा भी प्रतीत होता है कि सरकार समूह को प्रतिबंधित करने के अपने निर्णय में कानूनी प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाएगी।

अंग्रेजी दैनिक डॉन लिखता है, 'टीएलपी के मुद्दे पर अब और पर्दा नहीं डाला जा सकता। आंदोलन करने वाले घर जा सकते हैं, लेकिन वे सरकार से भारी कीमत वसूल कर ऐसा करेंगे। वे राज्य की ताकत और विश्वसनीयता की कीमत पर भी ऐसा करते हैं। जब तक राज्य को समस्या की गंभीरता का एहसास नहीं होता और इससे निपटने के लिए कदम उठाना शुरू नहीं होता, तब तक टीएलपी मुल्क को चुनौती देने, डराने और विजयी होने की अपनी क्षमता के आधार पर बढ़ती रहेगी।'

वर्ष 2017 में सुरक्षा प्रतिष्ठान ने राजनेताओं के खिलाफ एक औजार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इस संगठन को खड़ा किया। जब कानून मंत्री के इस्तीफे के साथ ही टीएलपी का विरोध और धरना समाप्त हो गया, तो सुरक्षा प्रतिष्ठान ने इन धार्मिक कट्टरपंथियों से सौदे में अपनी भूमिका नहीं छिपाई। सोशल मीडिया पर अब भी एक वीडियो उपलब्ध है, जिसमें सेना के एक वरिष्ठ जनरल दिखाई दे रहे हैं, जो पैसे का लिफाफा सौंपते हुए भीड़ से कह रहे हैं कि इससे घर लौटने के किराए का इंतजाम कर लें।

वह उन्हें शांत होने के लिए भी कहते हैं और बताते हैं कि वह खुद और ये लोग एक ही हैं। उस समय टीएलपी के बहुत अनुयायी नहीं थे, लेकिन इन धार्मिक कट्टरपंथियों का इस्तेमाल पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की निर्वाचित और मौजूदा पीएमएल (एन) सरकार के खिलाफ सुरक्षा प्रतिष्ठान द्वारा किया गया था। वर्ष 2017 में राजधानी की पहली घेराबंदी के बाद अल्पज्ञात बरेलवी कट्टरपंथी संगठन का उदय हुआ।

यह लोकप्रिय जन समर्थन नहीं, बल्कि नागरिक-सैन्य विभाजन था, जिसने इसे एक ताकत के रूप में बदल दिया। अब नवंबर 2021 में एक बार फिर जैसे ही पूरे पाकिस्तान में जनजीवन ठप हो गया, सुरक्षा प्रतिष्ठान ने दखल देकर मामले को सुलझाया, लेकिन टीएलपी और प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार के बीच हुए समझौते को गुप्त रखा गया है, और नहीं कोई जानता है कि सरकार के इस समर्पण की शर्तें क्या हैं।

टीएलपी की हिंसक भीड़ को वापस घर भेजने के लिए सुरक्षा प्रतिष्ठान ने क्या कीमत चुकाई है? मुख्य सवाल जो पाकिस्तान में पूछा जा रहा है, वह यह कि क्या यह संगठन प्रतिबंधित है और चुनाव आयोग ने इसे पिछले आम चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति क्यों दी थी। यह पिछले चुनावों में पंजाब में चौथी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, जिसने नवाज शरीफ के वोट बैंक में सेंध लगाई और इस तरह उन्हें संसद में बहुमत से वंचित कर दिया।

टीएलपी से विपक्षी राजनीतिक पार्टियां इतना भयभीत हैं कि उन्होंने चुनाव आयोग में उसका जोरदार विरोध नहीं किया। इसके अलावा, इन पिछले दो हफ्तों में विपक्षी राजनीतिक दल चुप रहे और पहले तो, सरकार के खिलाफ उन्होंने धरना नहीं किया, क्योंकि इस हिंसक भीड़ के साथ खतरनाक स्थिति थी और दूसरी बात यह कि मुसलमानों के रूप में वे टीएलपी के नारे के खिलाफ नहीं जाना चाहते थे। एक मुसलमान इसके खिलाफ अपनी आस्था और विश्वास से कैसे लड़ सकता है? खतरा यहीं पर है।

यदि एक बार फिर टीएलपी को आम चुनावों में भाग लेने की अनुमति दी जाती है, तो वे विशेष रूप से पंजाब में मजबूत उम्मीदवारों के वोट बैंक में सेंध लगाएंगे, और त्रिशंकु संसद हो सकती है। राजनीतिक विश्लेषक जाहिद हुसैन कहते हैं, 'बगैर दंड के समूह की गतिविधियां जारी हैं। ऐसा लगता है कि प्रशासन ने जानबूझकर अपने प्रतिबंध के फैसले को अस्पष्ट रखा है। टीएलपी की हिंसक गतिविधियों के बावजूद प्रशासन ने अपने तुष्टीकरण के नजरिये को जारी रखा है।'

आखिर हुई कटौती

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के बाद दीपावली से ऐन पहले सरकार ने इन पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में क्रमश: 5 रुपये और 10 रुपये प्रति लीटर कटौती की। इससे लोगों को तत्काल कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन सरकार के इस कदम का वैसा उत्साहपूर्ण स्वागत नहीं हुआ, जैसी उम्मीद की जा रही थी। कारण संभवत: यह है कि आम लोगों के लिए इस फैसले को सरकार की संवेदनशीलता से जोड़कर देखना संभव नहीं हो पा रहा।

पिछले काफी समय से पेट्रोल और डीजल कीमतों का लगातार बढ़ता बोझ आम लोगों के लिए जीना मुश्किल किए हुए था। मगर सरकार ने कभी यह संकेत नहीं दिया कि वह इसे लेकर चिंतित है या इसे कम करने के उपायों पर विचार कर रही है। सरकार का यह फैसला 29 विधानसभा सीटों और 3 लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजे घोषित होने के बाद आया है, जिन्हें कांग्रेस के लिए उत्साहवर्धक और बीजेपी के लिए चिंताजनक माना गया। स्वाभाविक ही इससे यह संदेश गया कि बीजेपी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत 5 राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में पड़ने वाले असर को लेकर चिंतित है और ताजा फैसला इसी चुनावी चिंता से उपजा है।

इसका मतलब यह माना गया कि इन राज्यों में चुनाव होते ही पेट्रोल और डीजल के भाव फिर ऊपर का रुख कर लेंगे। दूसरी बात यह कि पिछले कुछ समय में इनके दाम में जो असाधारण बढ़ोतरी हुई है, उसके मुकाबले यह कटौती बहुत कम है। 2021 की ही बात करें तो साल की शुरुआत से अब तक पेट्रोल और डीजल के भाव करीब 28 रुपये और 26 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए जा चुके हैं। इस मुकाबले 5 रुपये और 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती को राहत माना भी जाए तो कैसे? खासकर तब, जब इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों से ज्यादा बड़ी भूमिका एक्साइज ड्यूटी की हो। ताजा कटौती के बाद भी पेट्रोल पर 27.90 रुपये और डीजल पर 21.80 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी लगती है, जो पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान लगने वाली ड्यूटी के मुकाबले बहुत ज्यादा है। हालांकि आज के हालात और चुनौतियों की तुलना पिछली सरकारों के कार्यकाल से नहीं की जा सकती। लेकिन पेट्रोल और डीजल के ऊंचे भाव न केवल शहरों और गांवों के आम वाहनधारकों को प्रभावित करते हैं बल्कि फसलों की सिंचाई और माल ढुलाई का खर्च बढ़ाकर आम तौर पर महंगाई का स्तर बढ़ा देते हैं। इसलिए जरूरी है कि सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम में और कमी लाने पर विचार करे।

जहरीली शराब से मौत

ज्ञानेंद्र रावत

बीते बारह दिनों में बिहार में जहरीली शराब से हुई मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सरकारी सूत्रों की मानें, तो राज्य के सिवान, गोपालगंज, बेतिया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर आदि जिलों में अब तक जहरीली शराब पीने से कई दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दूसरे जिलों से भी जहरीली शराब पीने से मौत की सूचना लगातार आ रही हैं। जबकि इलाज करा रहे कुछ लोगों की आंख की रोशनी चली गई है। गैर सरकारी सूत्रों के मुताबिक, अब तक राज्य में जहरीली शराब पीने से सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। कहा जाता है कि सरकार और प्रशासन मरने वालों की असली संख्या छिपाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसा उस राज्य में हो रहा है, जहां शराबबंदी लागू है।

सवाल यह कि शराबबंदी लागू होने के बावजूद राज्य में शराब की आपूर्ति कहां से हो रही है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शराब की आपूर्ति राज्य में कहां से होती है और फिर उसे किस तरह राज्य के विभिन्न जिलों के ग्रामीण अंचल में पहुंचाया जाता है। इसमें नेता, प्रशासन, पुलिस और ग्राम पंचायत तथा वहां के चौकीदार तक की मिलीभगत जगजाहिर है। सरकार में बैठे राजनेताओं से भी यह तथ्य छिपा नहीं है। मृतकों के परिजनों का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में आज मात्र फोन करने से ही घर-घर शराब माफिया के लोग शराब पहुंचा जाते हैं और यह सिलसिला बदस्तूर जारी है।

विडंबना यह है कि राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहते हैं कि ये मौतें गलत चीज पीने से हुई हैं। राज्य के मुखिया द्वारा इस बाबत ऐसा कहा जाना समझ से परे और हास्यास्पद है। उनके बयान पर टिप्पणी करते हुए राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी कहते हैं कि राज्य के लोग गलत चीजें न पीएं, यह राज्य के मुखिया की जिम्मेवारी है कि वे राज्य के लोगों को पीने के लिए अच्छी चीज मुहैया कराएं और जब राज्य में पूर्ण शराबबंदी है, उस हालत में राज्य में शराब कहां से आती है। यह साबित करता है कि राज्य में शराबबंदी केवल नाम की है। पुलिस, प्रशासन और अधिकारियों-कर्मचारियों पर सरकार का कोई अंकुश नहीं रह गया है।

सबसे अधिक शराब की आपूर्ति बिहार में हरियाणा से होती है। राज्य के छपरा, सिवान, गोपालगंज, चंपारण, मुजफ्फरपुर, सासाराम आदि जिलों में 75 फीसदी हरियाणा से और 25 फीसदी उत्तर प्रदेश से शराब की आपूर्ति होती है। उत्तरी बिहार में उत्तर प्रदेश और नेपाल से और पूर्वी बिहार में पश्चिम बंगाल और ओडिशा से शराब की आपूर्ति होती है। इन राज्यों से यहां सड़क और नदियों के रास्ते शराब की आपूर्ति की जाती है। इसकी जानकारी नेता, पुलिस और प्रशासन को बखूबी है। फिर भी इसकी रोकथाम की कोई व्यवस्था नहीं है। जहां तक शराब के जहरीले होने का सवाल है, भट्ठी में कच्ची शराब बनाने वाले इसमें ज्यादा नशे के लिए खतरनाक पाउडर और इंजेक्शनों तक का इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? शराब पीने वालों को नशा चाहिए, वह भी सस्ता, इसलिए वे सस्ती व जहरीली शराब पीकर अपनी मौत को दावत देते हैं। जाहिर है, लोगों में जागरूकता की कमी से ऐसा हो रहा है।

असल में, शराबबंदी के साथ नशा मुक्ति केंद्र खोलने का सवाल अनसुलझा ही रहा। नशे के आदी लोगों की काउंसलिंग जरूरी थी, उनको नशे से होने वाली हानियों के बारे में बताना जरूरी था। इस बारे में अभियान चलाया जाना चाहिए था, जो नहीं हुआ। केवल किसी क्षेत्र या राज्य विशेष में नशाबंदी लागू करने से कुछ नहीं होने वाला। इसके लिए पूरे देश में कानून लागू करना होगा। जागरूकता अभियान चलाना होगा। आजादी के बाद देश के अन्य राज्यों में भी नशाबंदी लागू की गई, लेकिन तमिलनाडु, गुजरात आदि का इतिहास प्रमाण है कि यह मात्र एक दिखावा और नारा बनकर रह गया है। शराबबंदी वाले राज्यों में नेता तक शराब पीते पाए गए हैं, जनता सस्ती, जहरीली शराब पीकर मरती रही है। नेतृत्व में दृढ़ इच्छाशक्ति का अभाव, भ्रष्ट मशीनरी और जागरूकता के अभाव के बीच नशाबंदी कारगर हो पाएगी, इसमें संदेह है।

दीपावली के आने की पूर्व सूचना देता है

हमारे देश में सर्वाधिक धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहार दीपावली का प्रारंभ धनतेरस से हो जाता है। इसी दिन से घरों की लिपाई–पुताई प्रारम्भ कर देते हैं। दीपावली के लिए विविध वस्तुओं की ख़रीद आज की जाती है। इस दिन से कोई किसी को अपनी वस्तु उधार नहीं देता। इसके उपलक्ष्य में बाजारों से नए बर्तन, वस्त्र, दीपावली पूजन हेतु लक्ष्मी–गणेश, खिलौने, खील–बताशे तथा सोने–चांदी के जेवर आदि भी खरीदे जाते हैं।

धन तेरस

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में इस बारे में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी आज ही से प्रारम्भ हो जाती है। इस दिन घरों को स्वच्छ कर, लीप–पोतकर, चौक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन ख़रीदना शुभ माना गया है। इस दिन चांदी के बर्तन ख़रीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन हल जुती मिट्टी को दूध में भिगोकर उसमें सेमर की शाखा डालकर लगातार तीन बार अपने शरीर पर फेरना तथा कुंकुम लगाना चाहिए। कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। तुला राशि के सूर्य में चतुर्दशी व अमावस्या की सन्ध्या को जलती लकड़ी की मशाल से पितरों का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि धनतेरस आयुर्वेद के जनक धन्वंतरि की स्मृति में मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों में नए बर्तन ख़रीदते हैं और उनमें पकवान रखकर भगवान धन्वंतरि को अर्पित करते हैं। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि असली धन तो स्वास्थ्य है। धन्वंतरि ईसा से लगभग दस हज़ार वर्ष पूर्व हुए थे। वह काशी के राजा महाराज धन्व के पुत्र थे। उन्होंने शल्य शास्त्र पर महत्त्वपूर्ण गवेषणाएं की थीं। उनके प्रपौत्र दिवोदास ने उन्हें परिमार्जित कर सुश्रुत आदि शिष्यों को उपदेश दिए इस तरह सुश्रुत संहिता किसी एक का नहीं, बल्कि धन्वंतरि, दिवोदास और सुश्रुत तीनों के वैज्ञानिक जीवन का मूर्त रूप है। धन्वंतरि के जीवन का सबसे बड़ा वैज्ञानिक प्रयोग अमृत का है। उनके जीवन के साथ अमृत का कलश जुड़ा है। वह भी सोने का कलश। अमृत निर्माण करने का प्रयोग धन्वंतरि ने स्वर्ण पात्र में ही बताया था। उन्होंने कहा कि जरा मृत्यु के विनाश के लिए ब्रह्मा आदि देवताओं ने सोम नामक अमृत का आविष्कार किया था।

सुश्रुत उनके रासायनिक प्रयोग के उल्लेख हैं। धन्वंतरि के संप्रदाय में सौ प्रकार की मृत्यु है। उनमें एक ही काल मृत्यु है, शेष अकाल मृत्यु रोकने के प्रयास ही निदान और चिकित्सा हैं। आयु के न्यूनाधिक्य की एक-एक माप धन्वंतरि ने बताई है। पुरुष अथवा स्त्री को अपने हाथ के नाप से 120 उंगली लंबा होना चाहिए, जबकि छाती और कमर अठारह उंगली। शरीर के एक-एक अवयव की स्वस्थ और अस्वस्थ माप धन्वंतरि ने बताई है। उन्होंने चिकित्सा के अलावा फसलों का भी गहन अध्ययन किया है। पशु-पक्षियों के स्वभाव, उनके मांस के गुण-अवगुण और उनके भेद भी उन्हें ज्ञात थे। मानव की भोज्य सामग्री का जितना वैज्ञानिक व सांगोपांग विवेचन धन्वंतरि और सुश्रुत ने किया है, वह आज के युग में भी प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है।

बारह वर्ष किसान के घर रहीं थीं लक्ष्मी

एक समय भगवान विष्णु मृत्युलोक में विचरण करने के लिए आ रहे थे, लक्ष्मी जी ने भी साथ चलने का आग्रह किया। विष्णु जी बोले- यदि मैं जो बात कहूं, वैसे ही मानो, तो चलो। लक्ष्मी जी ने स्वीकार किया और भगवान विष्णु, लक्ष्मी जी सहित भूमण्डल पर आए। कुछ देर बाद एक स्थान पर भगवान विष्णु लक्ष्मी से बोले- जब तक मैं न आऊं, तुम यहाँ ठहरो। मैं दक्षिण दिशा की ओर जा रहा हूं, तुम उधर मत देखना। विष्णुजी के जाने पर लक्ष्मी को कौतुक उत्पन्न हुआ कि आख़िर दक्षिण दिशा में क्या है जो मुझे मना किया गया है और भगवान स्वयं दक्षिण में क्यों गए, कोई रहस्य ज़रूर है। लक्ष्मी जी से रहा न गया, ज्योंही भगवान ने राह पकड़ी, त्योंही लक्ष्मी भी पीछे-पीछे चल पड़ीं। कुछ ही दूर पर सरसों का खेत दिखाई दिया। वह खूब फूला था। वे उधर ही चलीं। सरसों की शोभा से वे मुग्ध हो गईं और उसके फूल तोड़कर अपना शृंगार किया और आगे चलीं। आगे गन्ने (ईख) का खेत खड़ा था। लक्ष्मी जी ने चार गन्ने लिए और रस चूसने लगीं। उसी क्षण विष्णु जी आए और यह देख लक्ष्मी जी पर नाराज़ होकर शाप दिया- मैंने तुम्हें इधर आने को मना किया था, पर तुम न मानीं और यह किसान की चोरी का अपराध कर बैठीं। अब तुम उस किसान की 12 वर्ष तक इस अपराध की सजा के रूप में सेवा करो। ऐसा कहकर भगवान उन्हें छोड़कर क्षीरसागर चले गए। लक्ष्मी किसान के घर रहने लगीं।

वह किसान अति दरिद्र था। लक्ष्मीजी ने किसान की पत्नी से कहा- तुम स्नान कर पहले इस मेरी बनाई देवी लक्ष्मी का पूजन करो, फिर रसोई बनाना, तुम जो मांगोगी मिलेगा। किसान की पत्नी ने लक्ष्मी के आदेशानुसार ही किया। पूजा के प्रभाव और लक्ष्मी की कृपा से किसान का घर दूसरे ही दिन से अन्न, धन, रत्न, स्वर्ण आदि से भर गया और लक्ष्मी से जगमग होने लगा। लक्ष्मी ने किसान को धन-धान्य से पूर्ण कर दिया। किसान के 12 वर्ष बड़े आनन्द से कट गए। तत्पश्चात 12 वर्ष के बाद लक्ष्मीजी जाने के लिए तैयार हुईं। विष्णुजी, लक्ष्मीजी को लेने आए तो किसान ने उन्हें भेजने से इंकार कर दिया। लक्ष्मी भी बिना किसान की मर्जी वहाँ से जाने को तैयार न थीं। तब विष्णुजी ने एक चतुराई की। विष्णुजी जिस दिन लक्ष्मी को लेने आए थे, उस दिन वारुणी पर्व था। अतः किसान को वारुणी पर्व का महत्व समझाते हुए भगवान ने कहा- तुम परिवार सहित गंगा में जाकर स्नान करो और इन कौड़ियों को भी जल में छोड़ देना। जब तक तुम नहीं लौटोगे, तब तक मैं लक्ष्मी को नहीं ले जाऊंगा। लक्ष्मीजी ने किसान को चार कौड़ियां गंगा के देने को दी। किसान ने वैसा ही किया। वह सपरिवार गंगा स्नान करने के लिए चला। जैसे ही उसने गंगा में कौड़ियां डालीं, वैसे ही चार हाथ गंगा में से निकले और वे कौड़ियां ले लीं। तब किसान को आश्चर्य हुआ कि वह तो कोई देवी है। तब किसान ने गंगाजी से पूछा- माता! ये चार भुजाएं किसकी हैं? गंगाजी बोलीं- हे किसान! वे चारों हाथ मेरे ही थे। तूने जो कौड़ियां भेंट दी हैं, वे किसकी दी हुई हैं? किसान ने कहा- मेरे घर जो स्त्री आई है, उन्होंने ही दी हैं।

इस पर गंगाजी बोलीं- तुम्हारे घर जो स्त्री आई है वह साक्षात लक्ष्मी हैं और पुरुष विष्णु भगवान हैं। तुम लक्ष्मी को जाने मत देना, नहीं तो पुनः निर्धन हो जाओगे। यह सुन किसान घर लौट आया। वहां लक्ष्मी और विष्णु भगवान जाने को तैयार बैठे थे। किसान ने लक्ष्मीजी का आंचल पकड़ा और बोला- मैं तुम्हें जाने नहीं दूंगा। तब भगवान ने किसान से कहा- इन्हें कौन जाने देता है, परन्तु ये तो चंचला हैं, कहीं ठहरती ही नहीं, इनको बड़े-बड़े नहीं रोक सके। इनको मेरा शाप था, जो कि 12 वर्ष से तुम्हारी सेवा कर रही थीं। तुम्हारी 12 वर्ष सेवा का समय पूरा हो चुका है। किसान हठपूर्वक बोला- नहीं अब मैं लक्ष्मीजी को नहीं जाने दूंगा। तुम कोई दूसरी स्त्री यहाँ से ले जाओ। तब लक्ष्मीजी ने कहा- हे किसान! तुम मुझे रोकना चाहते हो तो जो मैं कहूं जैसा करो। कल तेरस है, मैं तुम्हारे लिए धनतेरस मनाऊंगी। तुम कल घर को लीप-पोतकर स्वच्छ करना। रात्रि में घी का दीपक जलाकर रखना और सांयकाल मेरा पूजन करना और एक तांबे के कलश में रुपया भरकर मेरे निमित्त रखना, मैं उस कलश में निवास करूंगी। किंतु पूजा के समय मैं तुम्हें दिखाई नहीं दूंगी। मैं इस दिन की पूजा करने से वर्ष भर तुम्हारे घर से नहीं जाऊंगी। मुझे रखना है तो इसी तरह प्रतिवर्ष मेरी पूजा करना। यह कहकर वे दीपकों के प्रकाश के साथ दसों दिशाओं में फैल गईं और भगवान देखते ही रह गए। अगले दिन किसान ने लक्ष्मीजी के कथानुसार पूजन किया। उसका घर धन-धान्य से पूर्ण हो गया। इसी भांति वह हर वर्ष तेरस के दिन लक्ष्मीजी की पूजा करने लगा।

धनतेरस की कथा

धनतेरस : ऐसे करें पूजा

कुबेर पूजन से प्राप्त होगी अक्षय लक्ष्मी-एक पूजा सुपारी को इत्र में डुबो कर लाल कुमकुम से बने स्वस्तिक पर स्थापित करें। धूप, दीप, आरती इत्यादि से पूजन करें। भोग लगा कर इस मंत्र से कमल के फूल या किसी भी सुगन्धित पुष्प अर्पित करें- 'ऊं यक्षाय कुबेराय वैश्रणवाय धनधान्यादि पतये धनधान्य समृद्धि में देहि देहि दापय दापय स्वाहा।' दीपवली के दिन पुनः इसी कुबेर का पूजन लक्ष्मी पूजा के पश्चात करें। अक्षय लक्ष्मी की प्राप्ति होगी।

धन्वंतरि पूजा : धनतेरस के दिन धन्वंतरि की भी पूजा होती है। इस दिन प्रातःकाल धन्वंतरि के पूजन के पूर्व यदि विष्णु सहस्त्रनाम का पठन या श्रवण किया जाये तो स्वास्थ्य लाभ होगा। आम की लकड़ी के पाटे पर हल्दी से स्वस्तिक बनायें। स्वस्तिक के मध्य एक बड़ी पूजा सुपारी को गुलाब जल से स्वच्छ कर भगवान धन्वंतरि के रूप में स्थापित कर पूजन करें।

यम दीपदान : धनतेरस को सायंकाल प्रदोषकाल में यम दीपदान करना चाहिए। चारों दिशाओं की ओर मुख की हुई चार रूई की बत्तियां रख कर दिये को तिल के तेल से भर दें। दक्षिण दिशा की ओर देखते हुए निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए चार मुंह के दीपक को लाई की ढेरी के ऊपर रख दें।

मृत्युना पाश दण्डाभ्यां कालेन च मया सह।
त्रयोदश्यां दीप दानात् सूर्यजः प्रीयता मिति॥

पंचदिवसात्मक पर्व है दीपावली

प्रथम दिवस : प्रथम दिन अर्थात् कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को धनत्रयोदशी अथवा धनतेरस भी कहा जाता है। यह पर्व धन्वन्तरि जयंती के रूप में और धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। समुद्र मंधन के समय हाथों में अमृत का कलश लिए धन्वन्तरि की उत्पत्ति इसी दिन हुई थी। यह पर्व वैद्यों के लिए महत्व का है, क्योंकि धन्वन्तरि देव आयुर्वेद के जनक माने जाते हैं। धनवन्तरि जयंती सूर्योदय कार्तिक त्रयोदशी को मनाई जाती है। धनतेरस के रूप में इन दिन धनाध्यक्ष कुबेर की पूजा होती है। इस दिन धातु के बर्तन खरीदना समृद्धिदायक माना जाता है। यह पर्व घर में सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है। इसलिए इस दिन किसी भी व्यक्ति को धन उधार नहीं देना चाहिए और धन का अपव्यय भी नहीं करना चाहिए। सायंकाल मुख्यद्वार के दोनों ओर दीपदान करना चाहिए। यह दीपदान इस पर्व के पांचों दिन किया जाता है। इनमें दीपदान करने से यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है।

द्वितीय दिवस : द्वितीय दिन कार्तिक कृष्ण चतुदर्शी को नरक चतुर्दशी भी कहा जाता है इस तिथि को रूपचतुर्दशी भी कहते हैं। इस दिन सूर्योदय से पहले उबटन लगाकर स्नान किया जाता है। स्नान से पहले तिल्ली के तेल से शरीर की मालिश करनी चाहिए, क्योंकि इस दिन तेल में लक्ष्मी का और जल में गंगा का निवास माना जाता है। स्नान के पश्चात यमतर्पण किया जाता है। इस दिन हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाता है। दोपहर के समय हनुमान जी की पूजा-उपासना की जाती है और उन्हें नैवैद्य अर्पित किया जाा है। भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन नरकासुर को मारकर उसके आतंक से निजात दिलवाई थी। इसलिए यह दिन नरकचतुर्दशी के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन को छोटी दीपावली के रूप में भी मनाते हैं। दीपावली के समान ही इस दिन दीपदान किया जाता है। राजा बलि के राज में दीपमाला प्रज्ज्वलित की जाती है। इसी दिन से राजा बलि का राज प्रारंभ होता है।

तृतीय दिवस : अर्थात कार्तिक अमावस्या दीपावली पर्व के रूप में मनाई जाती है। कमला जयंती होने के कारण इस दिन माँ लक्ष्मी की पूजा-उपासना की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के कई कारण है। भगवान श्रीराम इसी दिन 14 वर्ष का वनवास भोगकर अपने राज्य में लौटे थे। इसलिए इस दिन दीप जलाकर यह खुशी मनाई जाती है। इस दिन माँ लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। दीपावली की रात्रि को महानिशा की संज्ञा दी गई है। रात्रिकाल में जागरण करके माँ लक्ष्मी का स्वागत करने के लिए सभी लोग तत्पर रहते हैं। लक्ष्मी पूजन के अतिरिक्त इस दिन व्यापारी अपने व्यापारिक स्थल की पूजा, तुला पूजन, बहीखाते का पूजन, लेखनी का पूजन, दवात का पूजन और कुबेर का पूजन किया जाता है। लक्ष्मी पूजन के अतिरिक्त भगवान गणेश, महाकाली, माँ सरस्वती का पूजन भी करते हैं। ये सभी पूजन प्रदोषकाल एवं स्थिर लग्न में श्रेष्ठ होते हैं। इस दिन घर में दीपमालिकाएं लगाई जाती हैं। प्रकाश के लिए विभिन्न सजावटी वस्तुएं सजाई जाती हैं।

चतुर्थ दिवस : इस त्यौहार का चौथा दिन अर्थात् कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट के रूप में मनाया जाता है। कृष्ण भगवान के अवतार से पहले इस दिन इंद्र की पूजा की जाती थी, परन्तु भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन की पूजा आरंभ करवाई। इस दिन गोबर से घर के आंगन में गोवर्धन पर्वत की रचना कर उसका पूजन किया जाता है और उसे नैवेद्य का भोग लगाया जाता है। मंदिरों में अन्नकूट का आयोजन होता है और प्रसादी का वितरण होता है। गोवर्धन को गौ दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गायों की सेवा करने का विशेष महत्व है।

पंचम दिवस : पांचवा दिन अर्थात कार्तिक शुक्ल द्वितीया भाईदूज और यमद्वितीया के रूप में मनाई जाती है। इस दिन भाई अपनी बहन के घर जाकर भोजन करते हैं तथथ भाई अपनी बहिन को श्रद्धानुसार भेंट प्रदान करते हैं। यम की बहन यमी के द्वारा इस दिन यम को बुलाकर भोजन करवाया गया था। यमी ने अपने भाई का अनेक प्रकार से सत्कार किया था और भोजन के पश्चात टीका भी किया। यम ने भी प्रसन्न होकर अपनी बहन को अनेक प्रकार की भेंट प्रदान की और व मांगने को कहा। यमी ने अपने भाई यम से वर मांगा कि जो बहन इस दिन अपने भाई को भोजन करवाये तथा टीका करे, उनकी रक्षा होनी चाहिए। इसलिए इस त्यौहार को यमद्वितीया कहा जाता है। इस दिन चित्रगुप्त जी का पूजन और विश्वकर्मा जी की पूजाजा एवं उपासना भी की जाती है।

मांग से धनतेरस पर चमकेगा सोना

सोने की बिक्री कोविड-पूर्व स्तर से 30 प्रतिशत अधिक रहने की उम्मीद

मुंबई । सोना इस धनतेरस अपनी चमक फिर से हासिल करने के लिए तैयार है। सर्राफा कारोबारियों को उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था में उम्मीद से अधिक तेजी से पुनरुद्धार, कीमतों में कमी और दबी मांग की वजह से सोने की बिक्री कोविड-पूर्व के स्तर से 30 प्रतिशत अधिक रहेगी। देशभर में लॉकडाउन और आवाजाही पर प्रतिबंधों सहित कोविड 19 से संबंधित व्यवधानों के बाद रत्न और आभूषण उद्योग का कारोबार, दिवाली और धनतेरस 2020 के दौरान काफी फीका रहा था। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के चेयरमैन आशीष पेठे ने बताया, हम श्राद्ध के बाद से कारोबारी गतिविधियों में वृद्धि देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोने की कीमतें घटकर 42500 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गई थी, जिससे इस पीली धातु की उपभोक्ता मांग बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों के दौरान बेहतर वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी संग्रह

संकेत देता है कि आर्थिक पुनरुद्धार पटरी पर है। महामारी के कारण जो शादियां स्थगित हो गई थीं वह अब इस साल के अंत में होंगी। इससे रत्नों और आभूषणों की बिक्री बढ़ेगी। पेठे ने कहा, सकारात्मक उपभोक्ता और बाजार के संकेतों को देखते हुए हम वर्ष 2019 की तुलना में बिक्री में 20-25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद करते हैं। हम देशभर से इस सकारात्मक गति को देख रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के क्षेत्रीय सीईओ भारत सोमसुंदरम ने कहा कि सोने के आभूषणों की मांग 58 प्रतिशत बढ़कर 96.2 टन हो गई, वहीं बार और सिक्कों की निवेश मांग में भी 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि देशभर में प्रतिबंधों को धीरे-धीरे हटाए जाने को देखते हुए खुदरा मांग वापस पूर्व कोविड स्तर पर लौट रही है।

अगली दिवाली तक सोना हो सकता है 53 हजारी

कोरोना से निपटने के लिए टीकाकरण की तेज गति के मद्देनजर अर्थव्यवस्था में आ रही मजबूती से अब लोगों के जोखिम भरे निवेश की ओर आकर्षित होने से अगली दिवाली तक सोना के 53 हजारी होने की उम्मीद जतायी जा रही है। बाजार अध्ययन करने वाली कंपनी मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की मानें तो अगले 12 महीनों में सोने की कीमतों को लेकर उसका रुख सकारात्मक है। कंसॉलिडेशन की प्रक्रिया के बाद कुछ उछाल देखने को मिल सकता है। मौजूदा परिदृश्य में कम समय के लिए कुछ बाधायें आ सकती हैं, जो निवेशकों को खरीददारी का बेहतर मौका दे सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना एक बार फिर से 2000 डॉलर तक बढ़ने की क्षमता रखता है और यहां तक कि कॉमेक्स पर एक नया लाइफटाइम हाई भी बना सकता है। घरेलू मोर्चे पर अगले 12 महीनों में कीमतें 52000-53000 रुपए प्रति दस ग्राम के उच्च स्तर तक जा सकती हैं। उसने कहा कि वर्ष 2019 और 2020 के दौरान सोने की कीमतों में अच्छा उछाल देखा गया है, जो क्रमशः 52 प्रतिशत और 25 प्रतिशत के करीब रहा है। हालांकि 2021 में कुछ गिरावट भी देखी गयी और अभी सोना 47000 रुपए से 49000 रुपए प्रति दस ग्राम के बीच कारोबार कर रहा है।

टियर 2 शहरों में बढ़ रही कीमती धातुओं की मांग

त्योहारों के इस सीजन में कीमती धातुओं की मांग में तिमाही आधार पर 20 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है, जिसमें सोने की मांग चांदी की तुलना में तीन गुना अधिक रही और अब बड़े शहरों की तुलना में टियर 2 शहरों में कीमती धातुओं की मांग अधिक रही है। अगस्त 2020 में सोने की कीमतें अपने चरम पर पहुंचने के बाद गिरीं और त्योहारों के इस सीजन लोकल सर्च इंजन जस्ट डायल पर इस कीमती धातु की सर्च सबसे ज़्यादा की जा रही है। जस्ट डायल की कन्ज्यूमर इनसाइट रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है। सोने की मांग चांदी की तुलना में तीन गुना अधिक है वहीं चांदी की मांग में तिमाही आधार पर 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। इस दौरान सोने और हीरे की मांग में 18 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार टियर-2 शहरों में सोने, चांदी और हीरे की मांग बड़े शहरों की तुलना में अधिक है। सोने की बात करें तो टियर-2 शहरों में मांग में 24 फीसदी बढ़ोतरी हुई है जबकि बड़े शहरों में 22 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चांदी के मामलों में टियर-2 शहरों में 40 फीसदी बढ़ोतरी हुई है जबकि बड़े शहरों में यह 20 फीसदी ही बढ़ी है। वहीं, हीरे की मांग बड़े शहरों में 14 फीसदी बढ़ी जबकि टियर-2 शहरों में इसकी मांग 38 फीसदी से अधिक बढ़ी है। सोने की बात करें तो बड़े शहरों में मुंबई, दिल्ली और हैदराबाद टॉप 3 शहर रहें जहां इस धातु के बारे में सबसे अधिक सर्च किया गया है। चांदी की बात करें तो दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरु शीर्ष तीन शहर हैं, जहां सबसे अधिक मांग रही।

पीएमसी बैंक ग्राहकों को पहले चरण में नहीं मिलेगा पांच लाख का बीमा कवर

समाधान प्रक्रिया में है बैंक

नई दिल्ली । पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक पीएमसी बैंक के चिंतित ग्राहकों को पहले चरण में पांच लाख रुपए तक का बीमा कवर नहीं मिलेगा। इसकी वजह है कि यह बैंक अभी समाधान प्रक्रिया में है। जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम डीआईसीजीसी पहली खेप में पीएमसी बैंक को छोड़कर समाधान प्रक्रिया से गुजर रहे 20 बैंकों के ग्राहकों को भुगतान करेगा।

पहले चरण में भुगतान के लिए 90 दिनों की अनिवार्य अवधि 30 नवंबर को समाप्त होगी। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने जून में सेंट्रम फाइनेंशियल सर्विसेज और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की स्टार्टअप भारतपे के गठजोड़ को संकट में फंसे पीएमसी बैंक के अधिग्रहण की अनुमति दी थी। इस अधिग्रहण का रास्ता साफ करते हुए रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में वित्तीय सेवा कंपनी के गठजोड़ को लघु वित्त बैंक का लाइसेंस दिया था। डीआईसीजीसी ने हाल में कहा था कि जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम संशोधन अधिनियम, 2021 के प्रावधानों को लागू करने की आवश्यकता हो सकती है। इन प्रावधानों के तहत यदि कोई बैंक समाधान प्रक्रिया के अधीन है, तो पांच लाख रुपए के भुगतान की अवधि को 90 दिनों के लिए और बढ़ाया जा सकता है।

डीजल की कीमतों ने तोड़ी परिवहन क्षेत्र की कमर

सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली । डीजल और पेट्रोल की कीमतें हर दिन नए मानक बना रही हैं और चौतरफा महंगाई को बढ़ावा दे रही हैं। यह सड़क परिवहन संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है और छोटे ऑपरेटर लगातार अपनी दुकानें बंद कर रहे हैं क्योंकि वे सड़कों पर परिचालन लागत, ईएमआई, वैधानिक कर और जबरन वसूली की लागत को पूरा करने में असमर्थ हैं। यह बात ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस की ओर से कही गई है। एआईएमटीसी लगभग 95 लाख ट्रक ड्राइवरों और अन्य संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने का दावा करती है। ईंधन की दरें मुंबई में 115 रुपए प्रति लीटर के पार हैं । एआईएमटीसी के चेयरमैन कुलतारन सिंह अटवाल का कहना है कि डीजल की बढ़ती कीमतों से भारत के सड़क परिवहन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आजीविका का नुकसान हो रहा है। सड़क परिवहन क्षेत्र पर निर्भर करोड़ों

लोगों की रोजी-रोटी बचाने की चिंता पैदा हो गई है। डीजल की कीमत एक ट्रक की परिचालन लागत का लगभग 65 फीसदी है। 85 फीसदी से अधिक ट्रांसपोर्टर छोटे ऑपरेटर हैं, जिनके पास एक से पांच ट्रक हैं जिनमें से लगभग 65 फीसदी सेल्फ इंप्लॉइड, मालिक चालक हैं।

सरकार से क्या चाहता है ट्रांसपोर्ट क्षेत्र

ट्रांसपोर्टर ईंधन मूल्य वृद्धि को वापस लेने और ईंधन पर करों को युक्तिसंगत बनाने की मांग करते हैं। केंद्र सरकार को अपना उत्पाद शुल्क कम करना चाहिए और राज्य सरकारों को अपना वैट कम करना चाहिए। पेट्रोल और डीजल के लिए उत्पाद शुल्क 32.9 रुपए प्रति लीटर और 31.8 रुपए प्रति लीटर है, जो मोटर ईंधन की इतनी ऊंची कीमत के पीछे एक प्रमुख कारण है। केंद्रीय और राज्य कर, ईंधन के खुदरा मूल्य में लगभग 70 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं। पूरे देश में डीजल की एक समान दर होनी चाहिए। ईंधन की कीमतों का मासिक या तिमाही आधार पर संशोधन होना चाहिए। अगर सरकार हाल की वृद्धि को वापस नहीं लेती है और उपरोक्त मांगों को पूरा नहीं करती है तो भारत की सड़क परिवहन बिरादरी के पास उनके घाटे में चल रहे कार्यों को बंद करने के इलावा कोई विकल्प नहीं बचा है ।

भारतीय कंपनियां साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि करेंगी

सर्वेक्षण में खुलासा

नई दिल्ली । साइबर खतरे को देखते हुए देश की लगभग 80 प्रतिशत कंपनियां वर्ष 2022 में अपने साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि कर सकती हैं। वैश्विक सलाहाकार कंपनी पीडब्ल्यूसी ने अपने एक सर्वेक्षण में यह बात कही।

सर्वे के अनुसार, जोखिम का खतरा लगातार बढ़ रहा है और कंपनियां अपने जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए साइबर सुरक्षा में पहले से कहीं अधिक निवेश कर रही हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, कई कंपनियों ने अपने साइबर जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए कई साइबर सुरक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकियों में निवेश किया है। सर्वेक्षण के अनुसार, सर्वेक्षण में 82 प्रतिशत कंपनियों ने 2022 में अपने साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि की संभावना जताई है। इसके अलावा देश में 41 प्रतिशत कंपनियां 2022 में अपने साइबर बजट में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं। इस सर्वेक्षण में वैश्विक स्तर 3602 व्यवसाय, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा एवं अन्य क्षेत्रों के सुरक्षा कार्यकारियों की राय ली गई। इनमें सीईओ, कॉरपोरेट निदेशक, मुख्य वित्त अधिकारी आदि शामिल हैं। सर्वेक्षण के भारतीय संस्करण में 109 कार्यकारियों की राय ली गई।

इस्पात के लिए पीएलआई योजना से आकर्षित हो सकते हैं रूसी निवेशक

नई दिल्ली। रूस की इस्पात कंपनियां विशेष इस्पात के उत्पादन के लिए भारत में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना पीएलआई के तहत निवेश कर सकती हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारतीय इस्पात अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी मिशन, एसआरटीएमआई के निदेशक मुकेश कुमार ने कहा कि कुछ रूसी कंपनियां भारत में कारोबार स्थापित करने में रुचि रखती हैं। एसआरटीएमआई दरअसल इस्पात मंत्रालय और घरेलू इस्पात कंपनियों द्वारा संयुक्त रूप से गठित एक सहयोगी अनुसंधान मंच है। इसका काम उद्योग के बीच सहयोग को मजबूत करके लौह और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास आरएंडडी की सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने कहा, इस्पात मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह हाल ही में रूस गए थे। हम उन इस्पात उत्पादक कंपनियों से निवेश की उम्मीद कर रहे हैं जिनके पास एनएलएमके और रूस की सेवरस्टाल जैसी प्रौद्योगिकियां हैं। कुमार ने कहा कि सेवरस्टाल कर्नाटक में एनएमडीसी के साथ 30 लाख टन सालाना क्षमता का संयंत्र लगाना चाहती थी, लेकिन कई कारणों से यह परियोजना आगे नहीं बढ़ पाई। उन्होंने कहा कि खुद की तकनीक से लैस इस्पात उत्पादक कंपनियां ही मुख्य रूप से निवेश कर सकती हैं। इसके अलावा प्रौद्योगिकी प्रदाता कंपनियां इस्पात की नयी श्रेणी को विकसित करने के लिए भारतीय कंपनियों के साथ हाथ मिला सकती हैं।

बैंकरों के संरक्षण को जवाबदेही संबंधी नियम जारी

नई दिल्ली। सही तरीके से कारोबारी निर्णय लेने वाले बैंककर्मियों के संरक्षण के उद्देश्य से वित्त मंत्रालय ने 50 करोड़ रुपए तक की गैर निष्पादित आस्तियों एनपीए वाले खातों के लिए समान कर्मचारी जवाबदेही नियम जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों को अगले वित्त वर्ष से एनपीए में बदलने वाले खातों के लिए एक अप्रैल, 2022 से लागू किया जाएगा। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन आईबीए ने एक बयान में कहा कि वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने 29 अक्टूबर के अपने आदेश में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों पीएसबी द्वारा 50 करोड़ रुपए तक के एनपीए खातों धाखोधड़ी के मामलों के अलावा के लिए कर्मचारी जवाबदेही ढांचे पर व्यापक दिशानिर्देशों को अपनाने की सलाह दी। इसमें कहा गया है कि बैंकों को इन व्यापक दिशानिर्देशों के आधार पर अपनी कर्मचारी जवाबदेही नीतियों को संशोधित करने और संबंधित बोर्ड की मंजूरी से प्रक्रियाओं को तैयार करने की सलाह दी गई है।

आईपीओ से 27000 करोड़ जुटाने की कवायद

नई दिल्ली। करीब एक महीने के अंतराल के बाद प्राथमिक बाजार की रौनक फिर लौटने जा रही है। नवंबर के पहले पखवाड़े यानी 15 दिनों में पांच कंपनियों के आईपीओ आने वाले हैं। इन आईपीओ से कुल मिलाकर 27000 करोड़ रुपए से अधिक जुटने की उम्मीद है। इस दौरान जिन कंपनियों के आईपीओ आने हैं, उनमें पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस और पॉलिसीबाजार की मूल कंपनी पीबी फिनटेक, केएफसी और पिज्जा हट का परिचालन करने वाली सफायर फूड्स इंडिया, एसजेएस एंटरप्राइज और सिगाची इंडस्ट्रीज शामिल हैं। तेजड़िया बाजार में आईपीओ लाने वाली कंपनियों को अपने कारोबार पर बेहतर प्रीमियम और मूल्यांकन मिलने की उम्मीद होती है।

इंडियन आयल का शुद्ध लाभ बढ़ा

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन आईओसी का चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 6360.05 करोड़ रुपए या 6.93 रुपए प्रति शेयर रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 6227.31 करोड़ रुपए या 6.78 रुपए प्रति शेयर रहा था। अप्रैल-सितंबर तिमाही में कंपनी ने परिचालन राजस्व में वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व पिछले साल की समान अवधि 204693 करोड़ रुपए की तुलना में अप्रैल-सितंबर 2021 की अवधि के लिए 324827 करोड़ रुपए रहा। इंडियन ऑयल के अध्यक्ष एसएम वैद्य ने कहा, इंडियन ऑयल ने अप्रैल-सितंबर 2021 की अवधि के दौरान निर्यात सहित 40.506 मिलियन टन उत्पाद बेचे। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले छह महीनों के लिए हमारा रिफाइनिंग थ्रूपुट 31.996 मिलियन टन था। इस अवधि में देशव्यापी पाइपलाइन नेटवर्क का थ्रूपुट 39.408 मिलियन टन था। अप्रैल-सितंबर 2021 की अवधि के दौरान सकल रिफाइनिंग मार्जिन पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में 3.46 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल की तुलना में 6.57 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल था।

पेट्रोलियम उत्पादों पर ड्यूटी से सरकार की कमाई बढ़ी

33 प्रतिशत बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपए पर पहुंची

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल-सितंबर में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत बढ़ा है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यदि कोविड पूर्व के आंकड़ों से तुलना की जाए तो पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क कलेक्शन में 79 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि हुई है। वित्त मंत्रालय में लेखा महानियंत्रक के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले छह माह में पेट्रोलियम उत्पादों पर सरकार का उत्पाद शुल्क कलेक्शन पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। पिछले साल की समान अवधि में यह 1.28 लाख करोड़ रुपए रहा था।

यह अप्रैल-सितंबर, 2019 के 95930 करोड़ रुपए के आंकड़े से 79 प्रतिशत अधिक है। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 में पेट्रोलियम उत्पादों से सरकार का उत्पाद शुल्क कलेक्शन 3.89 लाख करोड़ रुपए रहा था। 2019-20 में यह 2.39 लाख करोड़ रुपए था। माल एवं सेवा कर जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद सिर्फ पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन और प्राकृतिक गैस पर ही उत्पाद शुल्क लगता है। अन्य उत्पादों और सेवाओं पर जीएसटी लगता है। वित्त वर्ष 2020-21 की पहली छमाही में पेट्रोलियम उत्पादों पर बढ़ा हुआ इंक्रीमेंटल उत्पाद शुल्क कलेक्शन 42931 करोड़ रुपए रहा था।

ज्यादातर कलेक्शन पेट्रोल व डीजल पर टैक्स से

ज्यादातर उत्पाद शुल्क कलेक्शन पेट्रोल और डीजल की बिक्री से हासिल हुआ है। अर्थव्यवस्था में पुनरुद्धार के साथ वाहन ईंधन की मांग बढ़ रही है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में बढ़ा हुआ उत्पाद शुल्क कलेक्शन एक लाख करोड़ रुपए से अधिक रह सकता है।

चालू वित्त वर्ष में छोटी कंपनियों ने दिया बड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप इंडेक्स में 35.51 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली । छोटे कंपनियों के शेयरों ने चालू वित्त वर्ष में अब तक निवेशकों को अधिक प्रतिफल या रिटर्न दिया है। इन कंपनियों के शेयरों का प्रदर्शन बड़ी कंपनियों की तुलना में बेहतर रहा है। चालू वित्त वर्ष में अब तक बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स छोटी कंपनियों के शेयर का सूचकांक 7333.47 अंक यानी 35.51 प्रतिशत उछल चुका है, जबकि मिडकैप मझोली कंपनियों के शेयर का सूचकांक 5096.41 अंक यानी 25.25 प्रतिशत चढ़ा है। इसकी तुलना में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 9797.78 अंक यानी 19.78 प्रतिशत चढ़ा है। ट्रेडिंगो के संस्थापक पार्थ न्यति ने कहा, हम एक संरचनात्मक तेजड़िया बाजार में हैं जहां मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन बेहतर होता है और हम देख रहे हैं कि ऐसा ही हो रहा है। व्यापक बाजार की तुलना में बेहतर प्रदर्शन का दूसरा कारण खुदरा निवेशकों की मजबूत भागीदारी है और इसमें प्रौद्योगिकी से मदद मिल रही है।

तांबे के आयात में वृद्धि सरकार के लिए चिंता का विषय

घरेलू तांबा उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने की जरूरत

नई दिल्ली । तांबा आयात में हाल के समय हुई वृद्धि सरकार के लिए चिंता का विषय है और घरेलू तांबा उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने की जरूरत है। नीति आयोग के सदस्य वी के सारस्वत ने यह राय जताई है।

तमिलनाडु में मई, 2018 में स्टरलाइट कॉपर का तांबा संयंत्र बंद होने से पहले भारत तांबे का शुद्ध निर्यातक था। तांबे के मुद्दे पर इसी महीने सारस्वत की अगुवाई में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में नीति आयोग के सदस्य ने कहा, तांबा एक महत्वपूर्ण जिंस है और यह जरूरी हो जाता है कि घरेलू तांबा उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया जाए। इसके अलावा उन्होंने तांबा कन्सन्ट्रेट पर ढाई प्रतिशत के सीमा शुल्क को समाप्त करने पर जोर दिया। नीति आयोग ने 2019 में इसका सुझाव दिया था। बैठक के ब्योरे के अनुसार, 2018 के बाद भारत तांबे के शुद्ध निर्यातक से शुद्ध आयातक बन गया है। इस मुद्दे पर बैठक में गंभीरता से चर्चा हुई। स्टरलाइट कॉपर ने सूचित किया है कि तूतीकोरीन संयंत्र कानून और व्यवस्था की स्थिति के चलते बंद है। कंपनी ने समिति के सदस्यों से आग्रह किया है कि सरकार को इस मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान ढूंढ़ना चाहिए, जिससे संयंत्र को फिर शुरू किया जा सके। ब्योरे के अनुसार, नीति आयोग के सदस्य ने सूचित किया कि यह मामला अदालत में लंबित है, इसलिए इस मुद्दे पर और चर्चा संभव नहीं है।

तिमाही परिणाम देंगे बाजार को दिशा

शेयर समीक्षाः कार बिक्री और पीएमआई आंकड़ों से तय होगी चाल

मुंबई । वैश्विक बाजार की गिरावट और स्थानीय स्तर पर भारी मुनाफावसूली के दबाव से बीते सप्ताह एक बड़े भूचाल का सामना कर चुके शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह कंपनियों के तिमाही परिणाम, कार बिक्री तथा सेवा एवं विनिर्माण क्षेत्र की पीएमआई के आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि पिछले कई सप्ताह से शेयर बाजार में ऊंचे भाव पर पांच से सात फीसदी तक का करेक्शन होने की आशंका जताई जा रही थी। इसी कड़ी में बीते सप्ताह बाजार ढाई प्रतिशत तक लुढ़क गया। अगले सप्ताह देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई, यूनियन बैंक, एचडीएफसी, भारती एयरटेल, पीएनबी हाउसिंग, आईआरसीटीसी, टाटा मोटर्स, दवा

कंपनी सन फार्मा एवं फाइजर और जिंदल स्टील की दूसरी तिमाही के परिणाम, अक्टूबर की कार बिक्री तथा सेवा एवं विनिर्माण क्षेत्र के आंकड़े जारी होने वाले हैं, जिससे बाजार की चाल तय होगी। साथ ही दिवाली त्योहार को लेकर निवेशकों की सुस्ती का दबाव भी बाजार पर दिखेगा।

9 शीर्ष कंपनियों का मार्केट कैप 2.48 लाख करोड़ रुपए घटा

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 248542.3 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 56741.2 करोड़ रुपए घटकर 1609686.75 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार मूल्यांकन में 54843.3 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 876528.42 करोड़ रुपए पर आ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस की बाजार हैसियत 37452.9 करोड़ रुपए घटकर 1257233.58 करोड़ रुपए रह गई।

एफपीआई ने 12278 करोड़ रुपए की निकासी की

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों, एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय बाजारों से शुद्ध रूप से 12278 करोड़ रुपए की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 29 अक्टूबर के दौरान शेयरों से 13550 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने ऋण या बांड बाजार में 1272 करोड़ रुपए डाले हैं। इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 12278 करोड़ रुपए रही है। यहां एक बात ध्यान देने की है कि पिछले 10 सत्रों में से 9 दिन शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि इस बीच सेंसेक्स अपने उच्चतम स्तर से करीब 3000 अंक गिर गया है। इस गिरावट की वजह है एफपीआई की तरफ से लगातार भारतीय शेयर बाजार से पैसे निकालना।

मॉइल के श्रमिकों के लिए नए वेतनमान स्वीकृत

अगस्त 2017 से मिलेगा बढ़ा वेतन, 5800 कर्मचारियों को लाभ

नागपुर । सरकार ने इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम कर रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मॉइल के श्रमिकों के वेतनमान में संशोधन को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और इस्पात मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह ने यहां एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। मॉइल के प्रबंधकों और मान्यता प्राप्त श्रमिक यूनियन मॉइल कामगार संगठन के बीच समझौते के आधार पर नए वेतनमान तय किए गए हैं। इससे कंपनी के करीब 5800 श्रमिकों को लाभ होगा।

मॉइल के श्रमिकों के वेतनमान में यह संशोधन एक अगस्त-2017 से प्रभावी होगा और 10 वर्ष 31 जुलाई-2027 तक प्रभावी रहेगा। इसके तहत श्रमिकों को 20 प्रतिशत फिटमेंट का लाभ और 20 प्रतिशत की दर से सुविधा एवं भत्ते मिलेंगे। कंपनी उन्हें उनके मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 12 प्रतिशत के बराबर की दर से अंतरिम राहत भी देगी जो मई 2019 से प्रभावी मानी जाएगी। कंपनी का कहना है कि वेतनमान में संशोधन का पिछला बकाया वह एक बार में ही देगी और इसमें उसको 218 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। अनुमान है कि नए वेतनमानों से कंपनी पर हर वर्ष अतिरिक्त 87 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कंपनी अपने लेखा-जोखा में इसके लिए प्रावधान पहले से कर चुकी है।

28000 रुपए की दर से बोनस भी मिलेगा

कंपनी 2020-21 के लिए 28000 रुपए की दर से सभी कर्मचारियों को उत्पादकता आधारित बोनस भी दे रही है। इसका भुगतान दीपावली से पहले किया जाएगा। कार्यक्रम में श्री गडकरी और श्री सिंह ने मॉइल की विभिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें चिकला खान में दूसरी खड़ी साफ्ट , पांच खानों के नजदीक अस्पताल सुविधाएं, प्रशासनिक भावन और एक खान की जगह स्नातक प्रशिक्षु छात्रावास सुविधा शामिल है।श्री सिंह ने लगातार अच्छे काम के लिए मॉइल के श्रमिकों और प्रबंध तंत्र की सराहना की।

1999 के बाद विश्व कप में शुरूआती दो मैच में हारा भारत, क्या सेमिफानल में बन पाएगी जगह?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम टी-20 विश्व कप खेल रही है। अब तक का सफर देखें तो भारतीय टीम के लिए काफी शर्मनाक रहा है। भारतीय टीम ने 2 मैच खेले हैं और दोनों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अपना पहला मुकाबला चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से खेला जिसमें उसे 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा जबकि दूसरे मुकाबले में 33 गेंद शेष रहते ही न्यूजीलैंड मैच जीत गया। 22 साल बाद भारतीय क्रिकेट इतिहास में ऐसा मौका आया है जब टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप के अपने पहले दो मैच हारी है। 'करो या मरो' के मुकाबले में आठ विकेट से हारकर विराट कोहली की टीम आईसीसी टी20 विश्व कप से बाहर होने की कगार पर पहुंच गई है।

1999 में भारतीय टीम ने वनडे विश्वकप के पहले दो मैच इंग्लैंड में हार गई थी। पहले मुकाबले में भारत को दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट से हरा दिया जबकि अगला मुकाबला भारत को जिंबाब्वे से 3 रनों से हारना पड़ा। उस समय भारतीय टीम की अगुवाई मोहम्मद अजहरुद्दीन कर रहे थे। इसके अलावा 2007 के 50 ओवर वाले विश्वकप में भारत का प्रदर्शन और भी खराब रहा था। 2007 के 50 ओवर वाले विश्व कप में भारत लीग मैच से ही बाहर हो गया था। इसके अलावा 2009 और 2010 के टी-20 विश्व कप में उसे सुपर आठ में भी जगह नहीं मिली थी। लेकिन 1999 के बाद भारत किसी भी विश्वकप में अपना पहला दो मुकाबला नहीं हारा था जो उसे इस बार हारना पड़ा है।

न्यूजीलैंड से आठ विकेट से हार के बाद टी20 विश्व कप सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने की कगार पर खड़ी भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि उनके खिलाड़ी बल्ले और गेंद दोनों से साहस का प्रदर्शन नहीं कर सके। कोहली ने लगातार दूसरी हार के बाद कहा कि यह बहुत अजीब है। मुझे नहीं लगता कि हम बल्ले या गेंद से अपने खेल में साहस दिखा पाये। हमने रन ज्यादा नहीं बनाये लेकिन उसे बचाने के लिये भी साहस के साथ नहीं उतरे। उन्होंने कहा भारत के लिये खेलते समय अपेक्षाओं का सामना करना आना ही चाहिये। उन्होंने कहा कि जब आप भारतीय क्रिकेट टीम के लिये खेलते हैं तो प्रशंसकों की ही नहीं बल्कि खिलाड़ियों की भी काफी अपेक्षायें होती है। अपेक्षायें हमेशा रहेंगी और हम इतने साल से उनका सामना करते आये हैं। भारत के लिये खेलने वाले हर खिलाड़ी को करना पड़ता है।

ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट: हरिका ने पोगोनिना से ड्रॉ खेला, दिव्या देशमुख जीती

झांसी (एजेंसी)।

रीगा (लातविया)। भारत की स्टार खिलाड़ी डी हरिका ने यहां फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर के मुकाबले में नतालिजा पोगोनिना को ड्रॉ पर रोका। हरिका तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ 3.5 अंक जुटाकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रही है। भारत की दूसरे नंबर की खिलाड़ी ने दो जीत दर्ज की हैं जबकि तीन बाजी ड्रॉ रही। ओपन वर्ग में अनुभवी ग्रैंडमास्टर के शशिकिरण ने रूस के 10वें वरीय व्लादिमीर फेदोसीव को 53 चाल में हराया। शशिकिरण के भी 3.5 अंक हो गए हैं।

भारतीय महिला खिलाड़ियों में युवा दिव्या देशमुख जीत दर्ज करने वाली एकमात्र खिलाड़ी रहीं। दिव्या ने स्थानीय खिलाड़ी मदारा गोलस्ता को 49 चाल में हराया। दिव्या के दो अंक हो गए हैं। आर वैशाली और वंतिका अग्रवाल ने क्रमशः जॉर्जिया की सेलोम मेलिया और कजाखस्तान की झानासाया अब्दुमलिक से ड्रॉ खेला। वैशाली के 2.5 जबकि वंतिका के तीन अंक हैं। पदमिनी राउत को मंगोलिया की बातखुयाग मुनगुनतूल के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। उनके दो अंक हैं। पांचवें दौर के बाद पांच खिलाड़ी चार अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं। ओपन वर्ग में एलेक्सेई शिरोव, येवगेनी नाजिर, अलिरेजा फिरोजा, इवान सारिच और रॉबर्ट होवहानिस्यान चार अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे हैं।

भारतीय खिलाड़ियों में के शशिकिरण, आर प्रग्नानंदा, रौनक साधवानी, अर्जुन एरिगेसी, सूर्यशेखर गांगुली और बी अधिबान ने जीत दर्ज की। निहाल सरीन ने आर्मेनिया के मैनुअल पेत्रोस्यान से ड्रॉ खेला। उनके 3.5 अंक हो गए हैं और वे सातवें स्थान पर चल रहे हैं। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे शीर्ष रैंकिंग के भारतीय पी हरिकृष्णा को दारियूस स्विरकाज के खिलाफ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। उनके तीन अंक हो गए हैं। फेदोसीव के खिलाफ उलटफेर भरी जीत के बाद शशिकिरण 3.5 अंक के साथ 16वें स्थान पर चल रहे हैं। पहले चार दौर में जूझने वाले अधिबान ने राकोतोमाहारो फाइ एंटेनेना को हराकर पहली जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में भारत के 10 पुरुष और पांच महिला खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं।

सितारों से सजे भारत पर हावी होने की पूरी तैयारी के साथ उतरा था न्यूजीलैंड: कोच

दुबई। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम कई स्टार खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाकर हावी होने की पूरी तैयारियों के साथ उतरी थी। न्यूजीलैंड ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया तथा भारत को रविवार को यहां आठ विकेट से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत कर दी। टॉस जीतने के बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया और उन्हें सात विकेट पर 110 रन ही बनाने दिये। स्टीड इस विशेष प्रदर्शन से खुश हैं। स्टीड ने स्टफ.सीओ.एनजेड से कहा, ''मेरा मानना है कि गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैंने टी20 में किसी गेंदबाजी टीम के जितने प्रदर्शन देखे उनमें यह सर्वश्रेष्ठ था।'' उन्होंने कहा, ''स्टार खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को 110 रन पर रोकना वास्तव में विशेष था और इसके बाद मुझे लगता है कि बल्लेबाजों ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभायी।'' स्टीड ने कहा कि उनकी रणनीति नियमित अंतराल में विकेट लेकर भारत के शीर्ष बल्लेबाजों को डेथ ओवरों से पहले आउट करना था। उन्होंने कहा, ''हमने जो रणनीति बनायी थी उस पर खिलाड़ियों ने अच्छी तरह से अमल किया। हमने आक्रामक रवैया अपनाया। हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हम विकेट लेते रहे ताकि उनकी टीम अपने शीर्ष बल्लेबाजों के साथ डेथ ओवरों तक नहीं जा पाये।'' उन्होंने कहा, ''जब आप भारत जैसी स्टार खिलाड़ियों वाली टीम से खेलते हो तो आपको यह सुनिश्चित करना होता है कि आप उन पर हावी होकर खेलो। अगर आप उन पर दबाव बना देते हो तो इससे आप मैच में हावी होकर खेल सकते हो। हमारे गेंदबाजों ने जिस तरह से गेंदबाजी की वह शानदार थी।

बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल की उम्मीदों को मजबूत करने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

शारजाह (एजेंसी)।

अबुधाबी। पिछले दो मैचों में जीत से अपना अभियान पटरी पर लाने वाला दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप के सुपर 12 के ग्रुप एक के मैच में मंगलवार को संघर्षरत बांग्लादेश के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को पंख लगाने की कोशिश करेगा। वेस्टइंडीज और श्रीलंका पर जीत से दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने का मजबूत दावेदार बन गया है। उसके तीन मैचों में चार अंक हैं और नेट रन रेट के आधार पर आस्ट्रेलिया से ऊपर दूसरे स्थान पर है। दूसरी तरफ बांग्लादेश सुपर 12 के अपने तीनों मैचों में से एक में भी जीत दर्ज नहीं कर पाया। पिछले सप्ताह वेस्टइंडीज से तीन रन से पराजित होने के कारण उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गयी हैं।

बांग्लादेश अब बाकी बचे दो मैचों में जीत दर्ज करके बाकी टीमों के समीकरण बिगाड़ने की कोशिश करेगा। दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट से जीत में सभी विभागों में सुधरा हुआ प्रदर्शन किया। उसके विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों और स्पिनरों ने रणनीति के अनुसार गेंदबाजी की और विरोधी टीम पर दबाव बनाया। टी20 में शीर्ष रैंकिंग के गेंदबाज तबरेज शम्सी ने दिखाया कि आखिर वह नंबर एक पर क्यों काबिज हैं जबकि एनरिच नोर्किया और ड्वेन प्रिटोरियस जैसे गेंदबाज भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिये यह अच्छी खबर है कि उसके कप्तान तेम्बा बावुमा फॉर्म में लौट आये हैं। उन्होंने पिछले मैच में मुश्किल परिस्थितियों में एडेन मार्कराम के साथ मजबूत साझेदारी निभायी थी। यही नहीं 'बिग हिटर' डेविड मिलर ने भी अपने खोये तेवर हासिल कर लिये हैं। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने आखिरी ओवर में दो छक्के जड़कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की थी।

क्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी हालांकि बावुमा, क्विंटन डिकॉक, मार्कराम, रासी वान डर डुसेन और रीजा हेंड्रिक्स पर काफी निर्भर है। इनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है जो उसके लिये चिंता का विषय है। दूसरी तरफ बांग्लादेश को अगर स्वदेश लौटने से पहले कुछ सांत्वना भरी जीत हासिल करनी हैं तो उसे जल्द से जल्द अपने प्रदर्शन में एकजुटता दिखानी होगी। उसे टूर्नामेंट के बाकी मैच स्टार आलराउंडर शाकिब अल हसन के बिना खेलना पड़ेगा जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गये हैं। बांग्लादेश के बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे हैं जबकि गेंदबाजों में अनुशासन की कमी है। इसके अलावा उनका क्षेत्ररक्षण भी लचर रहा है। जीत के लिये बांग्लादेश को तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप: भारतीय टीम खिताब बचाने को तैयार

बेंगलुरु। 24 नवंबर से ओडिशा में एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप का आगाज होने वाला है। इसे लेकर मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद का कहना है कि भुवनेश्वर में होने वाले टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी खिताब बचाने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा, बेंगलुरु में सीनियर हॉकी टीम के साथ कैंपस साझा करना हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं रहा। 2016 में भारतीय टीम ने कोच हरेंद्र सिंह के कोचिंग में बेल्जियम को हराकर जूनियर विश्व कप जीता था और यहां के कई खिलाड़ियों ने बड़े स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की, जिससे टीम को इस साल हुए टोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक मिला। जूनियर विश्व कप में हिस्सा लेने वाले प्रसाद ने कहा कि उनकी तैयारी के दौरान दबाव में कैसे खेला जाए इस पर सीनियर्स खिलाड़ी से उन्हें मार्गदर्शन मिला। उन्होंने कहा, मैदान पर हमारा अभ्यास अच्छा चल रहा है और हम अपना शत प्रतिशत दे रहे हैं।

माही से ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान असगर अफगान ने क्रिकेट को कहा अलविदा, खिलाड़ियों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

दुबई। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। आपको बता दें कि असगर अफगान ने अपना आखिरी मुकाबला नामीबिया के खिलाफ खेला। इस दौरान उन्होंने 31 रन की दमदार पारी खेली। जिसमें उन्होंने 3 चौके और एक छक्का भी जड़ा। इसके बाद जब वह मैदान से पवेलियन की ओर लौट रहे थे तब सभी खिलाड़ियों ने उनसे हाथ मिलाया और मैदान पर अफगानिस्तान के प्रशंसकों ने हाथ से सलामी दी।

वहीं, अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने असगर अफगान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया और मैच खत्म होने के बाद सभी ने असगर अफगान को कंधों पर उठा लिया। साफ शब्दों में कहें तो असगर अफगान को हीरो की तरह विदा किया गया। असगर अफगान द्वारा अचानक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के फैसले से सभी हैरत में हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 33 वर्षीय असगर अफगान का सक्सेज रेट किसी भी दूसरे अफगानी कप्तान से काफी बेहतर है।

धोनी से बेहतर हैं असगर

टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की बात की जाए तो बतौर कप्तान असगर अफगान ने 52 से 42 मुकाबलों में जीत दर्ज है। जबकि इस सूची में सबसे सफलतम कप्तान माने जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी पीछे हैं। धोनी ने 41 मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। जबकि इंग्लैंड के कप्तान इयोग मार्गन तीसरे स्थान पर हैं।

नामीबिया के खिलाफ मुकाबले के बाद अफगानी कप्तान मोहम्मद नबी ने कहा कि कल रात उन्होंने मुझे बताया कि कल का मैच उनका आखिरी मैच होगा। मैं स्तब्ध था। यह उनका फैसला था। वह अपने कॅरियर के बारे में बेहतर जानते हैं। उन्होंने 6-7 साल कप्तानी की है और लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह तय कर चुके थे कि यह उनका आखिरी मैच होगा। वहीं प्लेयर आफ द मैच चुने गए नवीनुल हक ने अपना पुरस्कार असगर अफगान को समर्पित किया। क्योंकि उन्होंने असगर अफगान की कप्तानी में ही अपना पहला मुकाबला खेला था।

बर्थ-डे ब्यॉय सोढ़ी ने भारत को हराकर हासिल की उपलब्धि

दुबई (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में रविवार को हुए करो या मरो के मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से जबरदस्त मात दी। इस मैच के हीरो रहे ईश सोढ़ी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए विराट कोहली और रोहित शर्मा का विकेट अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन आने वाले कई सालों तक याद किया जाएगा।

लेग स्पिनर सोढ़ी ने भारत के खिलाफ कड़ी गेंदबाजी करके न सिर्फ मैच को जीता, बल्कि उनको लगभग टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। उन्होंने अपने 4 ओवर में 17 रन देकर दो विकेट झटके। सोढ़ी ने अपने जन्मदिन पर यह उपलब्धि हासिल की।

भारत ने न्यूजीलैंड को 111 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे कीवि ने महज 14.3 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर पूरा कर लिया। लुधियाना में जन्मे स्पिनर सोढ़ी ने यूट्यूब पर शेन वार्न और अनिल कुंबले के वीडियो देखकर गेंदबाजी करना सीखा और अपनी प्रतिभा को निखारा।

शानदार हरफनमौला प्रदर्शन से मिली जीत: विलियमसन

दुबई। टी20 विश्व कप के अहम मुकाबले में भारत को आठ विकेट से हराने का श्रेय अपनी टीम के हरफनमौला प्रदर्शन को देते हुए न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि उन्होंने पूरे मैच में भारत को दबाव में बनाये रखा। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 110 रन ही बना सकी। जवाब में न्यूजीलैंड ने दो विकेट खोकर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। विलियमसन ने मैच के बाद कहा ,'' हर मैच से पहले रणनीति बनाई जाती है। भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ हरफनमौला प्रदर्शन से यह जीत मिली। हमने पूरे मैच में उन्हें दबाव में रखा और हमारे सलामी बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।'' उन्होंने अपने गेंदबाजी आक्रमण की तारीफ करते हुए कहा ,'' हमारे पास दो अच्छे स्पिनर है और गेंदबाजों ने एक ईकाई के रूप में प्रभावित किया। ईश सोढी सीमित ओवरों के क्रिकेट का शानदार गेंदबाज है और इन हालात में स्पिनर काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं।

रोहित को तीसरे नंबर पर भेजने पर भड़के सनील गावस्कर, दिया ये बड़ा बयान

दुबई। (एजेंसी)।

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारने से संकेत मिलता है कि भारतीय टीम प्रबंधन को ट्रेंट बोल्ट की इनस्विंग गेंद का सामना करने के लिए इस स्टार सलामी बल्लेबाज पर भरोसा नहीं था। रोहित को सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल किया जा सकता है और मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद विराट कोहली के पद छोड़ने पर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वह भारत की अगुआई करने के प्रबल दावेदार हैं। रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ इशान किशन को पारी का आगाज करने का मौका दिया गया जबकि रोहित को तीसरे नंबर पर उतारा गया। पारी की शुरुआत में रोहित अंदर आती गेंद के खिलाफ असहज दिखे जबकि पाकिस्तान के खिलाफ भी ऐसा ही नजर आया। इशान से पारी का आगाज कराने का कदम विफल रहा। पूरा बल्लेबाजी क्रम ही नाकाम रहा जिससे टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 110 रन ही बना सकी।

न्यूजीलैंड ने इसके बाद 14.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। गावस्कर ने 'इंडिया टुडे' से कहा, ''इशान किशन मारो या मरो वाला खिलाड़ी है और बेहतर है कि उसके जैसा बल्लेबाज चौथे या पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। वह उस समय मैच की स्थिति के अनुसार खेल सकता है। अब यह हुआ है कि रोहित शर्मा को कहा गया है कि हम बायें हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट का सामना करने के लिए आप पर भरोसा नहीं करते।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप किसी स्थान पर लंबे समय से खेल रहे खिलाड़ी के साथ ऐसा करोगे तो स्वयं भी सोचेगा कि शायद वह इसमें सक्षम नहीं है। अगर इशान किशन 70 के आसपास रन बना देता तो हम उसकी सराहना करते। लेकिन जब यह कदम काम नहीं करता तो आप आलोचना करते हैं।''

रिजर्व सलामी बल्लेबाज के रूप में टीम में शामिल किए गए इशान ने लोकेश राहुल के साथ पारी का आगाज किया था। कप्तान कोहली भी एक स्थान नीचे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। गावस्कर बल्लेबाजी क्रम में बदलाव से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि क्या यह विफलता का डर है लेकिन हमें पता है कि आज उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में जो भी बदलाव किए उन्होंने काम नहीं किया। '' गावस्कर ने कहा, ''रोहित शर्मा इतना शानदार बल्लेबाज है और उसे तीसरे नंबर पर भेजा गया। तीसरे नंबर पर इतने रन बनाने वाले कोहली स्वयं चौथे नंबर पर उतरे। इशान किशन जैसे युवा खिलाड़ी को पारी का आगाज करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।'' लगातार दो हार के बाद टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे भारत पर ग्रुप चरण से ही बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

धनतेरस के दिन क्यों खरीदते हैं झाड़ू और इसे छुपाकर रखने क्यों कहा जाता है?

■ विशेष संवाददाता

नयी दिल्ली, 1 नवम्बर। दीपोत्सव का लोग साल भर इंतजार करते हैं और देश-दुनिया में रौशनी के इस त्यौहार से ठीक पहले धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने की परंपरा है। इस दिन झाड़ू खरीदने का क्या महत्व है बता रही हैं जानी-मानी ज्योतिषाचार्य आरती दहिया। दीपावली से दो दिन पहले आता है धनतेरस, जिसे भगवान धन्वंतरी के अवतरण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक भगवान धन्वंतरी समुद्र मंथन के दौरान हाथों में अमृत कलश लेकर उत्पन्न हुए थे, इसलिए इस दिन बर्तन खरीदने की परंपरा है, जिसे घर की संपन्नता से जोड़ा जाता है।

इस दिन सोने-चांदी के अलावा पीतल, तांबा और स्टील के बर्तन भी खरीदे जाते हैं। इन सबके अलावा जिस चीज को खरीदने का खासा प्रचलन है, वो है झाड़ू। इसे खरीदने से लेकर पूजने तक कई मान्यताएं प्रचलित हैं। झाड़ू को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। कहते हैं, धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने से साल भर घर में आर्थिक बरकत बनी रहती है। धनतेरस के दिन लाए झाड़ू की पहले पूजा करें, फिर इसे इस्तेमाल में लाएं।

ज्योतिषाचार्य दहिया बताती हैं कि धनतेरस के दिन झाड़ू लेने के बाद आप इस पर काला धागा बांध सकते हैं। झाड़ू को शुक्र का और काले धागे को शनि का प्रतीक माना गया है। इन दोनों का मेल आर्थिक समृद्धि और खुशहाली लेकर आता है। ऐसा करने से घर की नेगेटिव एनर्जी को खत्म करने में मदद मिलती है। माता लक्ष्मी की कृपा स्थायी रूप से बनी रहती है और घर के सदस्यों के काम करने की क्षमता बढ़ती है।

झाड़ू छुपा कर रखने की क्या है वजह?

अब अगर आप सोच रहे हैं कि झाड़ू छुपाकर रखने के पीछे क्या कारण हो सकता है, तो समझिए कि झाड़ू को लक्ष्मी मानते हैं। शहरों में इस बात को मान्यता न मिलती हो, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी ये आस्था बरकरार है। जिस तरह लोग अपने गहने, रुपए और संपत्ति को लोगों से छुपाकर रखते हैं, वैसे ही लक्ष्मी के प्रतीक झाड़ू को भी बाहरी लोगों की नजर से बचाकर रखते हैं।

वरुण गांधी का अपनी ही सरकार पर निशाना

जनता की पीड़ा समझने के लिए बोलने से ज्यादा सुनने की जरूरत

पीलीभीत, 1 नवम्बर। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने अपनी ही सरकार को निशाने पर लिया है। वरुण गांधी ने ट्विटर अकाउंट से किसानों से बातचीत का फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि जनता की पीड़ा समझने के लिए बोलने से ज्यादा सुनने की जरूरत है।

वरुण दो दिवसीय दौरे पर पीलीभीत पहुंचे थे, जहां पीलीभीत-लखीमपुर खीरी बॉर्डर पर किसानों के साथ पंचायत की। इस पंचायत के फोटो ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर सांसद वरुण गांधी ने लिखा कि फसलों की बढ़ती लागत, उचित कीमत पर एमएसपी न मिलने, महंगाई जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

यह कोई पहला मामला नहीं है, जब वरुण गांधी ट्वीट के जरिए सुर्खियों में आए हों, इससे पहले भी लखीमपुर खीरी और पीलीभीत में धान में आग लगाए जाने का मामला उन्होंने ट्वीट कर उठाया था। इसके साथ ही, कृषि नीतियों में सुधार करने की मांग सरकार से की थी।

सांसद वरुण गांधी इससे पहले गन्ना समर्थन मूल्य बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेटर लिख चुके हैं। मध्य प्रदेश की तर्ज पर धान खरीद यूपी में कराने की मांग भी उठा चुके हैं। इस तरह किसानों के समर्थन में लगातार वरुण गांधी बयान आ रहे हैं। फिर चाहे वह अपने ही सरकार के खिलाफ ही क्यों न हों।

दीपोत्सव के दिन आयेगा अयोध्या का विजन

25 हजार करोड़ के 325 प्रोजेक्ट्स से राम नगरी बनेगी हेरिटेज और स्मार्ट

■ विशेष संवाददाता

अयोध्या, 1 नवम्बर। अयोध्या में 5वां दीपोत्सव तीन दिन बाद है, लेकिन इसके भविष्य का डॉक्युमेंट आ गया है। असल मायने में यह अयोध्या के लोगों को राज्य सरकार का असली दिवाली गिफ्ट है। अयोध्या के साल 2047 के इस विजन डॉक्युमेंट में 25 साल बाद की राम नगरी का खाका खींचा गया है। अयोध्या के विकास के इस ब्लू प्रिंट में 25 हजार करोड़ रुपए के 325 प्रोजेक्ट्स शामिल हैं, जो राम नगरी को हेरिटेज और वर्ल्ड क्लास स्मार्ट लुक देंगे। इन प्रोजेक्ट्स की डेडलाइन साल 2047 रखी गई है, यानी आजादी के 100 साल पूरे होने पर। इस प्रोजेक्ट में अयोध्या को देश का सबसे दिव्य और भव्य शहर बनाने का विजन है। 3 नवंबर को अयोध्या में जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दीपोत्सव मनाएंगे, उससे पहले उनके सामने ये विजन डॉक्युमेंट पेश किया जाएगा। प्रोजेक्ट्स पूरे करने को लेकर अंतिम मुहर लगेगी। इन प्रोजेक्ट्स को स्क्रीन पर देश भर से आए 10 हजार अतिथियों को भी दिखाया जाएगा।

इसी साल 26 जून को पीएम नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अयोध्या के विजन डॉक्युमेंट का प्रेजेंटेशन देखा था, लेकिन उन्होंने इसे खारिज कर दिया था। उन्होंने इसे नए सिरे से बनाने को लेकर निर्देश और सुझाव दिए थे। अब पीएम के सुझाव के हिसाब से इसमें बदलाव किए गए हैं। दीपोत्सव समारोह के दौरान ही यूपी सरकार 30 मिनट का विजन डॉक्युमेंट पेश करेगी। इससे जनता को अयोध्या के विकास लेकर सरकार की कोशिश का पता चलेगा।

जाति पर विवाद: समीर वानखेड़े ने सुप्रीम कोर्ट आयोग में कास्ट सर्टिफिकेट पेश किया, आयोग ने महाराष्ट्र सरकार से मांगी रिपोर्ट

मुंबई, 1 नवम्बर। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक के आरोपों के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े सोमवार को दिल्ली पहुंचे। उन्होंने अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) पहुंचकर अपनी कास्ट से जुड़े दस्तावेज जमा कराए। उन्होंने आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला से भी मुलाकात की। मलिक ने वानखेड़े पर मुस्लिम होने का आरोप

लगाया था और कहा था कि उन्होंने अपनी जाति छिपाई है। इससे पहले, समीर वानखेड़े ने शनिवार को एनसीएससी के उपाध्यक्ष अरुण हलदर से मुलाकात की थी। रविवार को हलदर ने समीर के पिता ज्ञानदेव वानखेड़े से उनके घर जाकर मुलाकात की थी। इस पर सवाल उठाते हुए मलिक ने हलदर की शिकायत राष्ट्रपति से करने की बात कही है।

मलिक ने आरोप लगाया था कि नौकरी हासिल करने के लिए वानखेड़े ने मुस्लिम होने के बावजूद दलित का झूठा कास्ट सर्टिफिकेट बनाया था। इस बीच, आयोग के अध्यक्ष से मिलने के बाद वानखेड़े डीडीजी एनसीबी से मिलने दिल्ली स्थित ऑफिस पहुंचे। बता दें कि वानखेड़े के खिलाफ एनसीबी की विजिलेंस विंग 25 करोड़ की रिश्वतखोरी के आरोप की जांच कर रही है। क्रूज ड्रग्स केस में गवाह रहे प्रभाकर सैल ने आरोप लगाया है कि वानखेड़े के कहने पर इसी मामले के एक अन्य गवाह केपी गोसावी ने आर्यन को छोड़ने के बदले शाहरुख खान से 25 करोड़ की घूस मांगी थी।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला ने आज की मुलाकात पर कहा, आज एनसीबी के अधिकारी समीर वानखेड़े मुझसे मिलने आए। उन्होंने 29 अक्टूबर को शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर हमने महाराष्ट्र के गृह सचिव और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी कर 7 दिन के भीतर जवाब मांगा है। आज उन्होंने अपने धर्म और वैवाहिक जीवन से जुड़े सभी दस्तावेज हमें दिए हैं। हमने इसे महाराष्ट्र सरकार को भेज दिया है और अगर ये सभी दस्तावेज सही पाए जाते हैं, तो उन्हें परेशान नहीं होना चाहिए। समीर वानखेड़े ने कहा कि वह अनुसूचित जाति से आते हैं। उन्होंने सभी प्रासंगिक दस्तावेज आयोग को दे दिए हैं।

नवाब मलिक के अंडरवर्ल्ड से रिश्ते, दिवाली बाद बम फोड़ूंगा : फडणवीस

आर्यन ड्रग केस अब अंडरवर्ल्ड कनेक्शन तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता के साथ जयदीप चंदूलाल राणा नाम के शख्स की तस्वीर शेयर की। मलिक ने दावा किया देवेंद्र फडणवीस की पत्नी का म्यूजिक वीडियो ड्रग पैडलर राणा ने फाइनेंस किया था। उन्होंने कहा कि फडणवीस के संरक्षण में ड्रग का धंधा चल रहा था। इसके जवाब में देवेंद्र फडणवीस भी मीडिया के सामने आए। फडणवीस ने कहा, मलिक मुझ पर हमला नहीं कर सकते, इसलिए वह मेरी पत्नी पर हमला कर रहे हैं और हम इसके लिए तैयार हैं। दिवाली हो जाने दीजिए, बम हम फोड़ेंगे। मैं दीपावली के बाद नवाब मलिक के अंडरवर्ल्ड से संबंधों के सबूत आपको भी दूंगा और एनसीपी चीफ शरद पवार को भी दूंगा। इस पर मलिक ने सोशल मीडिया में लिखा, हैं तैयार हम। मलिक के आरोप पर अमृता फडणवीस ने सोशल मीडिया में लिखा, उल्टा चोर कोतवाल को क्यों डांटे?

टोपरा गांव में लगा भारत का सबसे ऊंचा अशोक चक्र

■ विशेष संवाददाता

यमुनानगर, 1 नवम्बर। यमुनानगर के टोपरा गांव में देश के सबसे ऊंचे अशोक चक्र पर छत्र स्थापित कर दिया गया। 60 फीट ऊंचा छत्र लगने के बाद अशोक चक्र की भव्यता और बढ़ गई। आसपास की पंचायतों और द बुद्धस्टि फोरम के सक्रिय सहयोग के बाद चक्र पर छत्र लगाने का काम संभव हो पाया है।

गांव के सरपंच मनीष कुमार ने बताया कि अशोक स्तंभ की रैप्लिका का काम पूरा होने से उनके गांव को प्रदेश के साथ देश में अलग पहचान मिलना तय था। इसी विश्वास के साथ 4 सितंबर 2019 को पार्क के पहले चरण के लिए अशोक धम्म चक्र स्थापित किया। 30 फीट ऊंचा और छह टन वजनी लोहे का अशोक चक्र देश में सबसे ऊंचा चक्र है। इसका

नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी दर्ज हुआ। इस चक्र का पूरा खर्च एनआरआई डॉ. सत्यदीप गौरी ने उठाया।

एनआरआई ने उठाया पूरा खर्च

संक्षिप्त खबर

पंजाब के एडवोकेट जनरल का इस्तीफा नियुक्ति पर सिद्धू ने उठाए थे सवाल

लुधियाना, 1 नवम्बर। पंजाब के एडवोकेट जनरल एपीएस देयोल ने इस्तीफा दे दिया है। देयोल की नियुक्ति को लेकर पंजाब कांग्रेस चीफ नवजोत सिद्धू सवाल उठा रहे थे। डीजीपी इकबालप्रीत सहोता के साथ देयोल की नियुक्ति को लेकर सिद्धू ने इस्तीफा दिया था। इसके बाद सिद्धू ने पार्टी के कामकाज से दूरी बना रखी है। एडवोकेट देयोल जल्द सीएम चरणजीत चन्नी से मुलाकात कर औपचारिक तौर पर इसकी घोषणा करेंगे। नवजोत सिद्धू का कहना था कि बेअदबी और उससे जुड़े गोलीकांड के मुद्दे पर कैप्टन को सीएम की कुर्सी से हटाया गया। इसके बाद सीएम चन्नी की सरकार ने एपीएस देयोल को एडवोकेट जनरल बना दिया। एडवोकेट देयोल गोलीकांड के एक मामले में आरोपी पूर्व डीजीपी सुमेध सैनी और आईजी परमराज उमरानंगल को जमानत दिलवा चुके थे। सिद्धू का कहना था कि आरोपियों के वकील को अहम पद देना ठीक नहीं है।

अखिलेश यादव अगला विस चुनाव नहीं लड़ेंगे

लखनऊ, 1 नवम्बर। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि वह अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। आजमगढ़ से सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि सपा छोटी पार्टियों से गठबंधन करेगी। राष्ट्रीय लोक दल के साथ गठबंधन और सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी है। इससे पहले हरदोई में रविवार को एक रैली में अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दो ही काम हैं। एक तो सपा के कामों के नाम बदलना और दूसरा शौचालय बनवाना।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहल प्रियंका गांधी ने महिलाओं के लिए घोषणा पत्र जारी किया

लखनऊ, 1 नवम्बर। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं को साधने के लिए कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कुछ दिन पहले चुनाव में 40त्न टिकट महिलाओं को देने का ऐलान किया था। अब उन्होंने महिलाओं के लिए अलग से घोषणापत्र जारी कर दिया है। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर महिलाओं के लिए अलग से घोषणापत्र जारी किया, जिसमें उन्होंने छात्राओं को स्मार्टफोन और स्कूटी देने का वादा किया है। इसके साथ ही बुजुर्ग महिलाओं और विधवाओं को हर महीने 1 हजार रुपए पेंशन देने का ऐलान भी किया है।

संजय सुधीर यूएई में भारत के नए दूत बने

नयी दिल्ली, 1 नवम्बर। विदेश मंत्रालय ने संजय सुधीर को संयुक्त अरब अमीरात का दूत नियुक्त किया है। 28 जनवरी, 2019 को भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी संजय सुधीर को मालदीव में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया था। यूएई में भारत के राजदूत बनने से पहले वह पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव थे।

सचिन वझे 6 तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में

मुंबई, 1 नवम्बर। मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वझे को अवैध वसूली मामले में सोमवार को एस्प्लेनेड कोर्ट लाया गया। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में उनकी 10 दिन की हिरासत मांगी। कोर्ट ने वझे को 6 नवंबर तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले शनिवार को मुंबई की एक अदालत ने वझे के खिलाफ अवैध वसूली मामले में जारी पेशी वारंट पर रोक लगाने से इंकार किया था। अदालत ने कहा कि आरोपी याचिका के जरिए ये कहते हुए सीधे अदालत का रुख नहीं कर सकता कि उसे कोर्ट के समक्ष पेश नहीं किया जाए।

लश्कर-ए-तैयबा की धमकी के बाद प्रयागराज में प्रमुख मंदिरों पर बढ़ी चौकसी

प्रयागराज, । आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की धमकी भरी चिट्ठी ने शहर में स्थित प्रमुख मंदिरों के प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस भी सतर्क हो गई है और संदिग्ध लोगों की चेकिंग तेज कर दी है। धमकी को लेकर खुफिया एजेंसी भी अलर्ट हो गई हैं और अपने-अपने स्तर पर इनपुट जुटा रही हैं। रविवार को रेलवे स्टेशन पर अलर्ट जारी करते हुए जांच-पड़ताल की गई, जबकि शहर के प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने पर भी मंथन चल रहा है। दरअसल, हापुड़ के स्टेशन अधीक्षक को लश्कर-ए-तैयबा की एक चिट्ठी मिली है, जिसमें 26 नवंबर को रेलवे स्टेशन और फिर छह दिसंबर को मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। धमकी भरी चिट्ठी में प्रयागराज के मंदिरों को भी छह दिसंबर को उड़ाने की बात कही गई है। इसी आधार पर जिले में पुलिस को अतिरिक्त सतर्क रहने के लिए कहा गया है। शहर में बंधवा स्थित लेटे हनुमान मंदिर, दारागंज में अलोपशंकरी देवी मंदिर, सिविल लाइंस में बड़े हनुमान मंदिर, अतरसुइया में कल्याणी देवी और ललिता देवी मंदिर है।

विरोध के बाद फैशन ब्रांड सब्यसाची ने मंगलसूत्र का विवादित ऐड हटाया

दतिया, 1 नवम्बर। मशहूर फैशन ब्रांड सब्यसाची ने मंगलसूत्र पर बनाया विज्ञापन वापस ले लिया है। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी के इस विज्ञापन पर सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर यह विज्ञापन अगले 24 घंटे में नहीं हटाया गया तो स्नङ्क्र दर्ज की जाएगी। मंत्री ने सब्यसाची को चुनौती देकर कहा कि अगर आप में हिम्मत है, तो किसी दूसरे धर्म पर इस तरह का विज्ञापन बनाकर दिखाएं। नरोत्तम मिश्रा की चेतावनी और हिंदूवादी संगठनों के विरोध के बाद सब्यसाची ने विज्ञापन वापस ले लिया है। उन्होंने इसके लिए इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें दिए बयान में फैशन ब्रांड ने कहा कि हम इस बात से दुखी हैं कि समाज के एक वर्ग को इससे

(विज्ञापन से) ठेस पहुंची है। इसलिए हम इस विज्ञापन को वापस ले रहे हैं।

सब्यसाची ने चार दिन पहले एक ज्वेलरी कलेक्शन सेट लॉन्च किया था। उन्होंने इस कलेक्शन को द रॉयल बंगाल टाइगर आइकन नाम दिया है। पूरा विवाद इस सेट के एक मंगलसूत्र के विज्ञापन पर है। इस मंगलसूत्र को कंपनी ने द रॉयल बंगाल मंगलसूत्र 1.2 नाम दिया है। इस विज्ञापन का फोटो सामने आते ही विवाद खड़ा हो गया। दरअसल, विज्ञापन में एक महिला और पुरुष को दिखाया गया है। महिला ने विज्ञापन में काले रंग की इंटिमेट ड्रेस के साथ मंगलसूत्र पहना हुआ है। विज्ञापन सोशल मीडिया पर सामने आते ही लोग बोलने लगे कि ये मंगलसूत्र का ऐड कहां से दिख रहा है? विज्ञापन कर रही महिला का नाम वर्षिता तटावर्ती है। वहीं, पुरुष मॉडल का नाम प्रतेयिक जैन है।

राकेश टिकैत ने फिर दी ट्रैक्टर मार्च की चेतावनी

करनाल, 1 नवम्बर। किसान आंदोलन के बीच दिल्ली के बॉर्डर खोलने को लेकर सरकार की मनमर्जी पर किसानों के रुख में तल्खी नजर आने लगी है। नवंबर 2020 से शुरू हुए आंदोलन का सालभर पूरा होने पर किसान अपना आंदोलन तेज करने की तैयारी में हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि सरकार ने मांगें नहीं मानीं, तो किसान इस बार ट्रैक्टरों के साथ दिल्ली को चारों तरफ से घेरेंगे।

26 नवंबर तक मांगें माने सरकार, वरना किसान दिल्ली को चारों तरफ से घेरेंगे

राकेश टिकैत ने ट्वीट में लिखा कि केंद्र सरकार के पास 26 नवंबर तक का समय है। उसके बाद 27 नवंबर से किसान गांवों से ट्रैक्टरों पर सवाल होकर दिल्ली के चारों ओर बॉर्डरों पर जारी आंदोलन स्थल की तरफ चलना शुरू करेंगे। इस बार पक्की किलेबंदी की जाएगी और आंदोलन स्थल पर तंबुओं को मजबूत किया जाएगा।

पिछले सप्ताह सरकार और किसानों के बीच 3 दिन तक बातचीत हुई थी। इसके बाद सड़क की बैरिकेडिंग हटाकर 5 फीट चौड़ा रास्ता दिया गया है। दोनों तरफ से ढाई-ढाई फीट की दो लाइनें खोली गई है। इनसे पैदल और बाइक सवार ही निकल सकेंगे। साथ ही एंबुलेंस को भी निकाले जाने की बात भी किसानों ने मानी है। सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक इस रास्ते पर आना-जाना किया जा सकेगा।

पटेल की तुलना जिन्ना से करना शर्मनाक

अखिलेश यादव अपने बयान पर देश से माफी मांगें: सीएम योगी

मुरादाबाद, 1 नवम्बर। उत्तर प्रदेश में जिन्ना पर जुबानी जंग तेज हो गई है। सोमवार को मुरादाबाद पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की सोच तालिबानी है। योगी ने कहा- मैंने अखिलेश का भाषण सुना। वे राष्ट्र को जोड़ने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल की तुलना देश तोड़ने वाले जिन्ना से कर रहे थे। यह बेहद शर्मनाक है। अखिलेश को देश से माफी मांगनी चाहिए।

दरअसल, अखिलेश यादव ने रविवार को हरदोई में सरदार पटेल की तुलना जिन्ना से कर दी थी। उन्होंने कहा था कि सरदार पटेल, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और जिन्ना एक ही संस्था में पढ़कर बैरिस्टर बनकर आए थे। एक ही जगह पढ़ाई-लिखाई की। वह बैरिस्टर बने और उन्होंने आजादी दिलाई।

मुरादाबाद में सीएम योगी ने कहा कि पूरा देश सरदार पटेल को लौह पुरुष मानता है। ऐसे समय में अखिलेश की सोच फिर से सामने आई है। उन्होंने देश को तोड़ने वाले जिन्ना को देश को जोड़ने वाले सरदार पटेल के समकक्ष रख दिया है। ये सोच हमेशा तोड़ने में विश्वास रखती है। पहले इन्होंने समाज को जाति के नाम पर तोड़ने की साजिशें रचीं, मंसूबे पूरे नहीं हुए तो महापुरुषों पर लांछन लगाकर पूरे समाज को अपमानित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्हें (अखिलेश) तो पहले से ही समाज को बांटने से फुरसत नहीं थी। विभाजन की उनकी प्रवृत्ति अभी गई नहीं है। इन लोगों की मानसिकता ही समाज को तोड़ने की रही है। यह लोग शुरू से ही तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे हैं। सरदार पटेल का अपमान देश हरगिज स्वीकार नहीं करेगा और प्रदेश व देश की जनता अखिलेश यादव को हरगिज स्वीकार नहीं करेगी।

यूपी में महाघोटाला: 15000 करोड़ के स्कैम में सीबीआई ने दर्ज किया केस

लखनऊ, 1 नवम्बर। नीरव मोदी और मेहुल चौकसी के घोटाले से बड़ा घोटाला यूपी में खुला है। राज्य में हुए 15 हजार करोड़ रुपये के घोटाले की जांच सीबीआई ने शुरु करते हुए एफआईआर दर्ज कर लिया है। बाइक टैक्सी के लिए इन्वेस्टमेंट कराया गया और कंपनी चंपत हो गई। सीबीआई ने कंपनी के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर संजय भाटी और 14 अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

चौकसी-नीरव की तरह आरोपी भागा विदेश

संजय भाटी ने गर्वित इनोवेटिव प्रमोटर्स लिमिटेड के नाम से कंपनी बनाई थी। कंपनी ने बाइक बोट नाम से स्कीम की शुरुआत की गई। कंपनी ने निवेशकों को 1,3,5 या फिर 7 बाइकों में निवेश के बाद आकर्षक रिटर्न का ऑफर दिया गया। बताया गया कि बाइक टैक्सी स्कीम है और इसमें पैसे लगाने पर लोगों को बड़ा रिटर्न मिलेगा। लोगों ने इस स्कीम को हाथों-हाथ लिया और हजारों करोड़ इन्वेस्ट कर दिए। इसके बाद अचानक से कंपनी के लोग भूमिगत हो गए। बताया जा रहा है कि संजय भाटी तो देश से फरार हो गया।

दरअसल, कंपनी ने अपने निवेशकों को यह ऑफर किया था कि बाइक टैक्सी में इन्वेस्ट करने के बाद हर महीना रिटर्न मिलेगा। साथ ही अगर कोई इन्वेस्टर किसी दूसरे निवेशक को जोड़ता है तो उसे इंसेंटिव भी मिलेगा। कंपनी ने देश के कई शहरों में फ्रेंचाइजी भी बांटनी शुरू कर दी थी। लेकिन हजारों करोड़ रुपये के इन्वेस्टमेंट के बाद कोई योजना लागू नहीं हो सकी। कंपनी ने 2017 में यह स्कीम लागू की थी। 2019 तक यह स्कीम खूब चली। अनुमान है कि देश भर से लाखों लोगों ने कंपनी में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश कर दिया था।

जज कर रहा था 14 वर्षीय किशोर से कुकर्म

मां ने दर्ज कराया मुकदमा, कहा- डेढ़ महीने से कर रहे थे शारीरिक शोषण, हाईकोर्ट ने किया निलंबित

■ विशेष संवाददाता

भरतपुर, 1 नवम्बर। भरतपुर के मथुरा गेट थाने में रविवार को एक महिला ने एक विशेष जज और उनके दो कर्मचारियों के खिलाफ अपने नाबालिग बेटे के साथ कुकर्म करने का मामला दर्ज कराया। बच्चे की उम्र 14 साल है। उधर, देर शाम जोधपुर हाईकोर्ट ने आरोपी मजिस्ट्रेट जितेंद्र गुलिया को निलंबित कर दिया। इस संबंध में राजस्थान सिविल सर्विस 1958 के रूल्स 13 के तहत तुरंत प्रभाव से आदेश जारी कर दिया गया है। रविवार को बच्चे को साथ लेकर उसकी मां मथुरा गेट थाने पहुंची और मजिस्ट्रेट के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

महिला का कहना है कि मजिस्ट्रेट बच्चे को डरा-धमका कर डेढ़ महीने से उसके साथ कुकर्म कर रहा था। जज के साथ रहने वाले दो और लोगों ने भी बच्चे को अपने हवस का शिखार बनाया। दो दिन पहले इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद उसने पुलिस के पास जाने का निर्णय लिया।

मथुरा गेट थाना इलाके में रहने वाली

आरोपी मजिस्ट्रेट जितेंद्र गुलिया।

महिला ने बताया कि उसका 14 साल का बच्चा शहर के कंपनी बाग स्थित डिस्ट्रिक्ट क्लब में टेनिस खेलने जाता है। क्लब में भरतपुर के कई अधिकारी और भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट के विशेष न्यायाधीश जितेंद्र गुलिया भी आते थे। उन्होंने पहले बच्चे से जान-पहचान बढ़ाई और फिर उसे अपने घर ले जाने लगे।

एक दिन मजिस्ट्रेट जितेंद्र गुलिया ने बच्चे को अपने घर ले जाकर उसकी कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाया। जब बच्चा बेहोश हो गया तो उन्होंने उसके साथ कुकर्म किया। इतना ही नहीं मजिस्ट्रेट ने बच्चे के साथ अश्लील वीडियो भी बना लिया। जब बच्चे को होश आया तो उन्होंने उसका अश्लील वीडियो दोस्तों को दिखाकर बदनाम करने की धमकी दी। साथ ही कहा कि तेरे बड़े भाई को जेल भिजवा दूंगा और तेरी मां के साथ भी गलत काम करूंगा।

बच्चे की मां को ऐसे लगा पता...

महिला ने बताया कि उनका बच्चा पिछले डेढ़ महीने से गुमसुम रहने लगा था। 28 अक्टूबर को मजिस्ट्रेट जितेंद्र गुलिया बच्चे को छोड़ने के लिए उसके घर पहुंचे। घर की बालकनी में बच्चे की मां खड़ी हुई थीं। घर पहुंचने के बाद मजिस्ट्रेट ने बच्चे को किस किया और उसे घर के बाहर छोड़कर चले गए। यह सब बच्चे की मां ने देख लिया, जिस पर मां ने बच्चे से सख्ती से पूछताछ की। तब बच्चे ने अपनी मां से कहा कि ये बहुत खतरनाक लोग हैं। यह कभी भी भैया को जेल भिजवा सकते हैं। हम सभी को मरवा सकते हैं। पुलिस इनके इशारे पर काम करती है। इतना कहकर बच्चा रोने लगा। जब बच्चे की मां ने दोबारा उससे पूछा तो उसने बताया कि मजिस्ट्रेट जितेंद्र गुलिया उसे शराब पिलाते हैं। जूस में कोई नशीली चीज मिलाकर देते हैं। फिर कपड़े उतारकर मेरे साथ गलत काम करते हैं। यह सब करने से मना करने पर धमकियां देते हैं। बच्चे ने बताया कि मजिस्ट्रेट के साथ रहने वाले अंशुल सोनी और राहुल कटारा ने भी उसके साथ कुकर्म किया है।

पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज

मथुरा गेट थाना अधिकारी रामनाथ गुर्जर ने बताया कि मथुरा गेट थाना इलाके की एक महिला ने अपने बच्चे के साथ कुकर्म का मामला दर्ज करवाया है। महिला का कहना है कि उसके बच्चे के साथ सामूहिक कुकर्म हुआ है। बच्चे की उम्र कम होने के कारण मामला पॉक्सो एक्ट में दर्ज किया गया है, जिसकी जांच सीओ सिटी सतीश वर्मा कर रहे हैं। महिला ने मजिस्ट्रेट जितेंद्र गुलिया और उनके दो साथियों पर कुकर्म के आरोप लगाए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com